website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 296 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 03 अक्टूबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पद्म भूषण से सम्मानित शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र का निधन, पीएम मोदी ने जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के दिग्गज गायक और पद्म भूषण से सम्मानित पंडित छन्नूलाल मिश्र का आज गुरुवार सुबह निधन हो गया। वे 89 वर्ष के थे और मिर्जापुर में उन्होंने अंतिम सांस ली। सुबह करीब 4:15 बजे उनका देहांत हुआ। पंडित मिश्र किराना घराने के प्रतिष्ठित गायक थे और शास्त्रीय व भक्ति संगीत को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जाने जाते थे। पिछले महीने उन्हें सीने में दर्द और हल्के हार्ट अटैक की शिकायत के बाद बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के सर सुंदरलाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच में उनके सीने में संक्रमण और एनीमिया की समस्या सामने आई थी। सुधार के बाद हाल ही में उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी गई थी, लेकिन अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और उनका निधन हो गया।

उनका पार्थिव शरीर सुबह 11 बजे तक वाराणसी लाया जाएगा, जहां लोग श्रद्धांजलि और अंतिम दर्शन करेंगे। उनके अंतिम संस्कार की तैयारी शाम 7 बजे के लिए की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंडित छन्नूलाल मिश्र के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, "प्रख्यात शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र जी के निधन से मैं अत्यंत दुखी हूं। उन्होंने अपना पूरा जीवन भारतीय कला और संस्कृति के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने शास्त्रीय संगीत को जनसामान्य तक पहुंचाने के साथ-साथ भारतीय परंपरा को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने में भी अमूल्य योगदान दिया।"

पीएम मोदी ने यह भी याद किया कि 2014 में वाराणसी सीट से नामांकन के दौरान पंडित मिश्र उनके प्रस्तावक रहे थे। उन्होंने लिखा, "मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ कि मुझे उनका स्नेह और आशीर्वाद हमेशा मिलता रहा। इस दुख की घड़ी में मैं उनके परिवार और चाहने वालों के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं। ओम शांति!" पंडित छन्नूलाल मिश्र का जीवन भारतीय शास्त्रीय संगीत को समर्पित रहा। वे खयाल, ठुमरी, दादरा और भजन गायकी के लिए प्रसिद्ध थे। 2010 में भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया था। इसके अलावा उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा यश भारती सम्मान भी प्रदान किया गया था। उनके निधन से संगीत जगत में गहरा शोक है और भारतीय शास्त्रीय संगीत की दुनिया ने अपना एक बड़ा स्तंभ खो दिया है।

पीएम मोदी ने विजयादशमी पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के संबोधन को सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विजयादशमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के संबोधन की सराहना की। उन्होंने कहा कि मोहन भागवत का संबोधन प्रेरणादायक है, जिससे पूरे विश्व को फायदा होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "संघचालक डॉ. मोहन भागवत का प्रेरणादायक संबोधन, जिसमें उन्होंने राष्ट्र निर्माण में आरएसएस के समृद्ध योगदान पर प्रकाश डाला व हमारी भूमि में गौरव की नई ऊंचाइयों को हासिल करने की अंतर्निहित क्षमता पर बल दिया, जिससे संपूर्ण विश्व को लाभ होगा।"

इससे पहले, नागपुर के ऐतिहासिक रेशमबाग मैदान में शताब्दी समारोह में बोलते हुए, मोहन भागवत ने राष्ट्र के लिए संघ के दृष्टिकोण और लक्ष्यों को पेश किया व समाज से ऐसा 'आदर्श' बनाने का आग्रह किया जो साथी नागरिकों को भारत की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित कर सके। उन्होंने कहा कि भारत को एक महाशक्ति के रूप में उभरने के लिए, व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र, दोनों को मजबूत करना होगा। संघ शाखाओं की भूमिका की व्याख्या करते हुए भागवत ने कहा कि वे मूल्यों और अनुशासन को बढ़ावा देने वाले दैनिक कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय पहचान और गौरव का संचार करते हैं।

मोहन भागवत ने कहा कि शताब्दी वर्ष में आरएसएस का लक्ष्य 'व्यक्ति निर्माण' के कार्य को पूरे देश में विस्तार देना है, जिसमें 'पंच परिवर्तन' पहल को स्वयंसेवकों के उदाहरणों के माध्यम से समाज के सभी वर्गों की ओर से अपनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'पंच परिवर्तन' के मूल्य सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्यों के संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, आत्म-सम्मान और आत्मनिर्भरता व कानूनी, नागरिक और संवैधानिक कर्तव्यों के पालन पर केंद्रित हैं। भागवत ने पड़ोसी देशों में बढ़ती अस्थिरता पर भी चिंता व्यक्त की और व्यापक जन असंतोष के कारण श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में हुए शासन परिवर्तनों का हवाला दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी घटनाएं भारत के भीतर सतर्कता और आत्मनिरीक्षण की मांग करती हैं।

एनसीआरबी रिपोर्ट में यूपी में सांप्रदायिक दंगे शून्य, कानून-व्यवस्था बनी मिसाल

यूपी (एजेंसी)। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 'क्राइम इन इंडिया 2023' रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति की तारीफ की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में यूपी में सांप्रदायिक और धार्मिक दंगों की संख्या शून्य रही। यह योगी आदित्यनाथ सरकार की 2017 से लागू जीरो टॉलरेंस नीति का परिणाम है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, यूपी में अपराध दर राष्ट्रीय औसत से 25 प्रतिशत कम रही। देश में कुल अपराध दर 448.3 थी, जबकि यूपी में यह केवल 335.3 दर्ज की गई। इससे स्पष्ट होता है कि 2017 के बाद उत्तर प्रदेश शांति और सामाजिक सद्भाव का गढ़ बन चुका है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2012-2017 के बीच यूपी में 815 दंगे हुए थे, जिनमें 192 लोग मारे गए। वहीं 2007-2011 में 616 घटनाओं में 121 मौतें हुईं। इसके विपरीत, 2017 के बाद कोई बड़ा दंगा नहीं हुआ। बरेली और बहराइच में हुई दो हिंसक घटनाओं को भी सरकार ने 24 घंटे के भीतर नियंत्रित कर शांति बहाल कर दी। एनसीआरबी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यूपी में विभिन्न अपराधों में राष्ट्रीय औसत से उल्लेखनीय कमी आई है। उदाहरण के लिए, बलवा के मामलों में देश में 39,260 मामले (क्राइम रेट 2.8) दर्ज हुए, जबकि यूपी में केवल 3,160 मामले (क्राइम रेट 1.3) रहे। फिरौती के लिए अपहरण के मामलों में भारत में 615 घटनाएं हुईं, जबकि यूपी में मात्र 16 मामले दर्ज हुए। डकैती के मामलों में भारत में 3,792 मामले (क्राइम रेट 0.3) थे, जबकि यूपी में केवल 73 मामले दर्ज हुए, जिससे राज्य को 'नियर जीरो' क्राइम रेट का दर्जा मिला।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त नीतियों, त्वरित कार्रवाई और पारदर्शी शासन के चलते यूपी में अपराधों पर काबू पाया गया है। एनसीआरबी की रिपोर्ट साबित करती है कि यूपी में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के मामले में यह सरकार देश के लिए मिसाल बन गई है।

भारत-ईएफटीए व्यापार समझौता लागू

-100 अरब डॉलर निवेश और 10 लाख नौकरियों का अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच हुआ ट्रेड एंड इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (टीईपीए) एक अक्टूबर से लागू हो गया है। इस समझौते से भारत को अगले कुछ वर्षों में 100 अरब डॉलर का निवेश मिलेगा और लगभग 10 लाख प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी। इसके साथ ही भारत और यूरोप के बीच व्यापारिक साझेदारी और मजबूत होगी। ईएफटीए में चार देश -स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन शामिल हैं। इस समझौते के लागू होने के बाद भारत और इन देशों के बीच व्यापार करना आसान हो जाएगा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह भारत का पहला ऐसा व्यापार समझौता है, जिसमें निवेश प्रतिबद्धता भी शामिल है। इसका मकसद भागीदार देशों के बीच हितों का संतुलन और निष्पक्षता सुनिश्चित करना है।

समझौते के लागू होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में पीयूष गोयल ने कहा कि ईएफटीए देशों की कुल आबादी अकेले मुंबई की आबादी से भी कम है, लेकिन साझेदारी उनकी क्षमता और बड़े दिल से प्रेरित है। उन्होंने इस समझौते को विजयादशमी और नवमी के शुभ अवसर पर लागू होना भी खास बताया। उनके अनुसार, यह शुरुआत समृद्धि, स्पष्टता और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। गोयल ने कहा कि टीईपीए सिर्फ टैरिफ कम करने या

निवेश की प्रतिबद्धता का समझौता नहीं है, बल्कि यह एक स्थिर और भरोसेमंद ढांचा है, जो निवेशकों का विश्वास बढ़ाता है और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच स्थिरता का संदेश देता है। उन्होंने बताया कि यह समझौता शिक्षा, कृषि, उद्योग, प्रौद्योगिकी और कई अन्य क्षेत्रों में बड़े अवसर खोलेगा। उन्होंने भारत की ताकत का जिक्र करते हुए कहा कि यहां डेटा की लागत अमेरिका की तुलना में केवल 3 प्रतिशत है और वैश्विक औसत से भी काफी कम है। उन्होंने एबीबी और नेस्ले जैसी स्विस कंपनियों के भारत से पुराने जुड़ाव को याद किया और कहा कि भारत न केवल एक बड़ा बाजार है, बल्कि वैश्विक विस्तार का केंद्र भी है। गोयल ने उदाहरण देते हुए बताया कि नेस्ले इंडिया और एबीबी इंडिया जैसी कंपनियों के शेयरों का उच्च प्राइस-टू-अर्निंग रेश्यो भारत की अर्थव्यवस्था में विश्वास और भविष्य की अपार संभावनाओं को दर्शाता है। कार्यक्रम में उन्होंने ईएफटीए देशों के उद्योगों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित किया और कहा कि भारत का माहौल पारदर्शी, खुला और निवेशक-हितैषी है। यहां लगभग सभी क्षेत्रों में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह समझौता भारत और ईएफटीए दोनों की सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है और आने वाले समय में दोनों पक्षों के बीच साझेदारी और गहरी होगी।

इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम को मिला जबरदस्त समर्थन

-1.15 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आए : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को बताया कि सरकार की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम को भारी समर्थन मिला है। इस योजना के तहत सरकार को 1.15 लाख करोड़ रुपए (1,15,351 करोड़) के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। यह स्कीम देश में इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों और कंपोनेंट्स के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि योजना की रूपरेखा तैयार करते समय जितना निवेश और रोजगार का लक्ष्य तय किया गया था, उससे कहीं अधिक प्रस्ताव सरकार के पास आए हैं। वैष्णव ने बताया कि इस योजना की एप्लीकेशन विंडो 30 सितंबर को बंद हो गई थी और अब तक मिले निवेश प्रस्ताव अनुमान से कई गुना ज्यादा हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने लगभग 59,000 करोड़ रुपए निवेश मिलने का अनुमान लगाया था, लेकिन वास्तविक प्रस्ताव इससे कहीं अधिक आए हैं। हालांकि कैपिटल इक्विपमेंट सेगमेंट के लिए एप्लीकेशन विंडो अभी भी खुली है। मार्च 2025 में केंद्रीय कैबिनेट ने इस योजना को 22,919 करोड़ रुपए के बजट के साथ छह वर्षों के लिए मंजूरी दी थी। इस स्कीम का उद्देश्य-भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग का मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना, घरेलू मूल्य संवर्धन (DAV) बढ़ाना और भारतीय कंपनियों को ग्लोबल वैल्यू चेन (GVC) से जोड़ना है। सरकार ने इस योजना के तहत अनुमान लगाया था कि लगभग 59,350 करोड़ रुपए का निवेश, 4,56,500 करोड़ रुपए का उत्पादन, और करीब 91,600 प्रत्यक्ष रोजगार के साथ बड़ी संख्या में अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी। वहीं, कंपनियों ने अब तक दिए प्रस्तावों में 1.41 लाख रोजगार देने की प्रतिबद्धता जताई है, जो सरकार के शुरुआती लक्ष्य से कहीं ज्यादा है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी सचिव एस. कृष्णन ने भी पुष्टि की कि कंपनियों ने रोजगार सृजन के मामले में अपेक्षाओं से अधिक रुचि दिखाई है। उनका कहना था कि यह योजना भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर मजबूत बनाएगी और 'मेक इन इंडिया' के विजन को नई गति देगी।

आरएसएस की शताब्दी पर पीएम मोदी ने स्वयंसेवकों को सराहा

-कहा- 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से किया राष्ट्रनिर्माण

नई दिल्ली (एजेंसी)। विजयादशमी के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने "राष्ट्र प्रथम" की भावना के साथ अपना जीवन देश निर्माण के लिए समर्पित किया है। प्रधानमंत्री ने एक विस्तृत ब्लॉग पोस्ट में लिखा, "सौ वर्ष पहले विजयादशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी। यह कोई बिल्कुल नया निर्माण नहीं था, बल्कि भारत की सनातन राष्ट्रीय चेतना का ही एक नया रूप था, जो समय-समय पर चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रकट होती रही है। हमारे समय में संघ उसी राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। हमारी पीढ़ी के स्वयंसेवकों के लिए यह सौभाग्य है कि हम संघ की शताब्दी देख रहे हैं।" उन्होंने संघ संस्थापक डॉ. के.बी. हेडगेवार को नमन किया और सभी स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने संघ की भूमिका समझाते हुए कहा कि जैसे नदियां हर क्षेत्र को समृद्ध करती हैं, वैसे ही संघ ने शिक्षा, कृषि, सामाजिक कल्याण, महिला सशक्तिकरण और जनजातीय कल्याण जैसे अनेक क्षेत्रों में काम करके राष्ट्र को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा, "संघ का मंत्र हमेशा एक ही रहा है- राष्ट्र प्रथम।" प्रधानमंत्री ने लिखा कि संघ की स्थापना से ही उसका उद्देश्य राष्ट्रनिर्माण रहा है और इसके लिए उसने "व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण" का मार्ग चुना। उन्होंने दैनिक शाखा को एक अद्वितीय साधन बताया, जहां से हर स्वयंसेवक "मैं" से "हम" की यात्रा शुरू करता है और व्यक्तिगत रूपांतरण से समाज व राष्ट्र की सेवा करता है। इतिहास की भूमिका का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, "संघ की स्थापना के समय से ही उसने राष्ट्र को अपनी प्राथमिकता माना। डॉ. हेडगेवार और कई स्वयंसेवक स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से शामिल हुए। डॉ. हेडगेवार कई बार जेल भी गए। विभाजन के समय और अन्य आपदाओं में भी संघ ने सेवा और राहत कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।" पीएम मोदी ने कहा कि पिछले सौ वर्षों में संघ ने समाज के हर वर्ग में आत्मविश्वास जगाया और दूरदराज के आदिवासी

क्षेत्रों तक पहुंच बनाई। सेवा भारती, विद्या भारती, एकल विद्यालय और वनवासी कल्याण आश्रम जैसी संस्थाओं को उन्होंने आदिवासी समाज को सशक्त बनाने वाले स्तंभ बताया। सामाजिक बुराइयों पर संघ की लड़ाई का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, "जातिगत भेदभाव और छुआछूत जैसी समस्याओं के खिलाफ संघ हमेशा डटा रहा। गुरुजी ने 'ना हिंदू पतितो भवेत' का संदेश दिया। पूज्य बालासाहेब देवरस ने कहा था कि अगर छुआछूत गलत नहीं है तो दुनिया में कुछ भी गलत नहीं है। बाद में राज्जू भैया और सुदर्शन जी ने भी यही संदेश आगे बढ़ाया। आज मोहन भागवत जी ने 'एक कुआं, एक मंदिर और एक श्मशान' की बात कर समाज को एकजुट करने का आह्वान किया।" वर्तमान चुनौतियों का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने लिखा कि आज भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, लेकिन विदेशी निर्भरता, एकता तोड़ने की साजिशें और घुसपैठ जैसी चुनौतियां सामने हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इनसे निपट रही है और संघ ने भी इनसे निपटने के लिए ठोस रोडमैप तैयार किया है। प्रधानमंत्री ने संघ के "पंच परिवर्तन" का भी उल्लेख किया-स्व-बोध (औपनिवेशिक मानसिकता छोड़कर स्वदेशी अपनाना), सामाजिक समरसता (हाशिये पर खड़े वर्गों के लिए न्याय और समानता), कुटुंब प्रबोधन (पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करना), नागरिक शिष्टाचार (नागरिक कर्तव्यों का पालन), और पर्यावरण संरक्षण (भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रकृति की रक्षा) शामिल है। उन्होंने कहा कि इन संकल्पों के मार्गदर्शन में संघ अपनी दूसरी शताब्दी की यात्रा शुरू कर रहा है और 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में उसका योगदान महत्वपूर्ण होगा।

सरकार ने ई-कचरे और कबाड़ की बिक्री से कमाए 3,296.71 करोड़ रुपए- डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि सरकार ने ई-कचरे और कबाड़ की बिक्री से 3,296.71 करोड़

रुपए की कमाई की है। पिछले चार वर्षों में सरकार ने 696.27 लाख वर्ग फुट से अधिक कार्यालय स्थान को साफ करके दोबारा इस्तेमाल में लाया है। यह जानकारी उन्होंने नई दिल्ली के नेहरू पार्क में "विशेष स्वच्छता अभियान 5.0" के शुभारंभ समारोह में दी।

डॉ. सिंह ने कहा कि इस अभियान ने शासन और सार्वजनिक सेवाओं में बड़ा बदलाव लाया है। उन्होंने बताया कि इसके पिछले चरणों में 137.86 लाख से ज्यादा पुरानी फाइलों को नष्ट किया गया और देश भर में 12.04 लाख से अधिक जगहों की सफाई की गई। उन्होंने प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (DARPG) तथा अन्य विभागों की सक्रिय भूमिका की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने श्रमदान किया, "एक पेड़ मां के नाम" पहल के तहत वृक्षारोपण किया और पुरानी फाइलों की सफाई में हिस्सा लिया। उन्होंने स्वच्छता अभियान को स्वतंत्र भारत की "एक बड़ी सफलता की कहानी" बताते हुए कहा कि 2 अक्टूबर से शुरू हो रहा यह नया चरण स्वच्छता को संस्थागत बनाने, प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और सरकारी कार्यालयों की कार्यक्षमता बढ़ाने पर केंद्रित है।

डॉ. सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लाल किले से पीएम के आह्वान ने स्वच्छता को एक जन आंदोलन बना दिया है, जिसे देशभर में लोगों ने अपनाया है। उन्होंने सफाई मित्रों को सुरक्षा किट और मिठाई वितरित करके सम्मानित किया और उनकी अहम भूमिका को स्वीकार किया। उन्होंने आगे बताया कि इस चरण के लिए मंत्रालयों और विभागों ने पहले ही महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं। इनमें 6.9 लाख जन शिकायतों की समीक्षा, 26.9 लाख से अधिक भौतिक फाइलों का निपटान और 5.2 लाख ई-फाइलों की समीक्षा शामिल है। डॉ. सिंह ने यह भी घोषणा की कि भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार 10 अक्टूबर को "सुशासन और अभिलेख" नामक प्रदर्शनी आयोजित करेगा, जिसमें पुराने विशेष अभियानों के दौरान मिले ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण दस्तावेज प्रदर्शित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विशेष अभियान 5.0 सरकार की पारदर्शिता, दक्षता और जनभागीदारी के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराता है और महात्मा गांधी की स्वच्छता तथा नागरिक जिम्मेदारी की प्रेरणा को आगे बढ़ाता है।

राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को दो टूक: सर क्रीक में हिमाकत की तो बदल जाएंगे इतिहास-भूगोल

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विजयादशमी पर भुज एयरबेस से पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने साफ कहा कि अगर पाकिस्तान ने सर क्रीक क्षेत्र में कोई हिमाकत की तो उसे ऐसा करारा जवाब मिलेगा कि उसका इतिहास और भूगोल दोनों बदल जाएंगे।

राजनाथ सिंह ने हाल ही में सफल रहे ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए बताया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान की नापाक कोशिशों को नाकाम कर उसके एयर डिफेंस सिस्टम को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारी सेना 1965 की जंग में लाहौर तक पहुंच चुकी थी और आज भी कराची तक पहुंचने का रास्ता जानती है।

महात्मा गांधी की जयंती पर श्रद्धांजलि देते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि सैनिकों के पास शस्त्रों के साथ अटूट मनोबल भी है और यही भारत की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने शस्त्र पूजा के अवसर पर मां दुर्गा से प्रार्थना की कि भारतीय सैनिक हमेशा राष्ट्र को अजेय बनाए रखें।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

अधिक प्रभावी बनानी होगी ड्रोन-रोधी तकनीक, वरना बढ़ेगा सुरक्षा संकट

तकनीक ने इंसान की ज़िंदगी को जितना आसान बनाया है, उतने ही नए खतरे भी खड़े किए हैं। आज के समय में ड्रोन तकनीक इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। पहले ड्रोन का इस्तेमाल केवल सेना या रिसर्च संस्थानों तक ही सीमित था, लेकिन अब यह इतनी आम और सस्ती हो चुकी है कि कोई भी व्यक्ति आसानी से ड्रोन खरीदकर उसका उपयोग कर सकता है। यही वजह है कि सरकार और सुरक्षा एजेंसियां इसके दुरुपयोग को लेकर लगातार चिंतित हैं। हाल ही में केंद्र सरकार की ओर से सिविल ड्रोन (प्रोत्साहन व विनियमन) विधेयक 2025 का मसौदा तैयार किया गया है, जिसमें ड्रोन के उपयोग पर सख्त नियम लागू करने की तैयारी है। ड्रोन विधेयक के मसौदे के मुताबिक, अब हर सिविल ड्रोन को विशिष्ट पहचान संख्या (यूनीक आईडी) दी जाएगी। ड्रोन उड़ाने वाले को पंजीयन कराना होगा और उन्हें केवल तय किए गए क्षेत्रों में उड़ाने की अनुमति होगी। आकाश में भी तीन जोन बनाए जाएंगे – ग्रीन, येलो और रेड। ग्रीन जोन में सामान्य अनुमति के साथ ड्रोन उड़ाए जा सकेंगे, येलो जोन में आंशिक पाबंदियां होंगी और रेड जोन में बिल्कुल भी ड्रोन उड़ाने की इजाज़त नहीं होगी। इस विधेयक में यह भी प्रावधान किया गया है कि अगर कोई इन नियमों का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें भारी जुर्माना और जेल की सजा तक शामिल है। ड्रोन पर यह सख्ती इसलिए भी ज़रूरी मानी जा रही है क्योंकि इनका इस्तेमाल कई संवेदनशील गतिविधियों में होने लगा है। पिछले कुछ वर्षों में दुनिया के कई युद्ध क्षेत्रों में ड्रोन का इस्तेमाल हथियार के रूप में किया गया। दुश्मन देशों ने ड्रोन का उपयोग जासूसी और आतंकी हमलों के लिए किया। भारत में भी पाकिस्तान से आने वाले ड्रोन के जरिए हथियार, नकली करेंसी और नशे की तस्करी के कई मामले पकड़े जा चुके हैं। यह सब इस बात का सबूत है कि ड्रोन अब केवल मनोरंजन या फोटोग्राफी का साधन नहीं रह गए, बल्कि सुरक्षा और आंतरिक शांति के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। इसी वजह से ड्रोन-रोधी तकनीक (Anti-Drone Technology) को और अधिक प्रभावी बनाने की ज़रूरत है। आज दुनिया के कई देश इस तकनीक को मजबूत कर रहे हैं। भारत में भी सीमा सुरक्षा बल (BSF), वायुसेना और नौसेना ने कुछ आधुनिक एंटी-ड्रोन सिस्टम तैनात किए हैं। इनमें रेडियो फ्रिक्वेंसी जैमर और लेजर गन जैसी तकनीक शामिल हैं, जो ड्रोन को पकड़ने या नष्ट करने में सक्षम हैं। लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि अभी इस तकनीक में काफी सुधार की आवश्यकता है क्योंकि ड्रोन तेजी से उन्नत हो रहे हैं और उनकी पकड़ आसान नहीं है। सरकार द्वारा बनाया जा रहा नया कानून केवल रोकथाम का उपाय है, लेकिन असल चुनौती ड्रोन को रोकने और नष्ट करने की क्षमता विकसित करने की है।

"लोकतंत्र: विरासत का गर्व और भविष्य का संकल्प – चुनौतियों के बीच भारत का सुनहरा सफर"

-"1947 से 2047 तक – आज़ादी की विरासत, विकास की उपलब्धियाँ और आने वाले भारत का रोडमैप"

भारत, जो विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, अपनी विविधताओं में एकता और चुनौतियों के बीच अवसर खोजने की क्षमता के लिए जाना जाता है। एक समय "सोने की चिड़िया" कहलाने वाला यह देश, सदियों की गुलामी सहने के बाद जब 15 अगस्त 1947 को आज़ाद हुआ, तो दुनिया में बहुत से लोग इसके भविष्य को लेकर संशय में थे। कुछ पश्चिमी पर्यवेक्षकों ने इसे सपेरों, बैलगाड़ियों और गरीबी का प्रतीक मानते हुए यह भविष्यवाणी कर दी थी कि यह देश लोकतांत्रिक रूप से अधिक समय तक टिक नहीं पाएगा।

लेकिन आज का भारत, जिसकी बुलंदी अंतरिक्ष से लेकर वैश्विक मंच तक देखी जा सकती है, उन सभी आशंकाओं का मुँहतोड़ जवाब है।

इतिहास और विरासत

भारत की विरासत सिर्फ उसकी भौगोलिक सीमाओं या सांस्कृतिक धरोहरों में नहीं, बल्कि उसकी आत्मा में बसती है। यह वह भूमि है, जिसने वेद, उपनिषद, बौद्ध धर्म, सूफी परंपरा, भक्ति आंदोलन, और विभिन्न सांस्कृतिक लहरों के माध्यम से दुनिया को सोचने का तरीका दिया। हालाँकि, यह गौरवशाली सभ्यता भी विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक शासन की मार झेलने से बच नहीं सकी। मुग़ल शासन के बाद ब्रिटिश हुकूमत ने भारतीय संसाधनों का शोषण करते हुए इसे आर्थिक रूप से पंगु बना दिया। 19वीं सदी के अंत तक भारत की पहचान एक गरीब, भूखा और निराश देश के रूप में बनाई गई।

आज़ादी का संघर्ष और विभाजन की त्रासदी

1947 में मिली आज़ादी का जश्न जितना बड़ा था, विभाजन का दर्द उतना ही गहरा। लाखों लोगों का विस्थापन, सांप्रदायिक हिंसा, और लाखों की मौतों ने देश के सीने पर ऐसे घाव दिए, जो आज भी इतिहास के पन्नों पर दर्ज हैं।

विभाजन के साथ ही पाकिस्तान के रूप में एक नया देश बना, जिसने जल्द ही कश्मीर पर हमला कर अपने इरादे जाहिर कर दिए। भारत ने अपने लोकतांत्रिक और शांतिप्रिय चरित्र को बनाए रखते हुए इस चुनौती का सामना किया।

प्रारंभिक चुनौतियाँ – भूख, गरीबी और युद्ध

आजादी के तुरंत बाद देश के सामने तीन बड़ी चुनौतियाँ थीं –

भूख और खाद्यान्न की कमी
सीमाओं की सुरक्षा
आर्थिक पुनर्निर्माण

1962 में चीन के साथ युद्ध, और 1965 में पाकिस्तान के साथ संघर्ष ने देश को झकझोर दिया। इस दौर में प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने "जय जवान, जय किसान" का नारा दिया और देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की, ताकि सीमाओं पर तैनात जवानों को पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराया जा सके।

इस कठिन दौर ने भारतीयों में आत्मनिर्भरता और त्याग की भावना को और मजबूत किया।

हर संकट में अवसर तलाशने का जज़्बा

भारत ने अपनी कृषि व्यवस्था को सुधारने के लिए हरित क्रांति शुरू की, जिसने देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना दिया। इसके बाद श्वेत क्रांति (दूध उत्पादन) और नीली क्रांति (मत्स्य पालन) ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। औद्योगीकरण के क्षेत्र में टाटा, बिरला और कई सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने आधार तैयार किया।

लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती

संविधान ने भारत को एक लोकतांत्रिक गणराज्य का स्वरूप दिया। स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र प्रेस और निष्पक्ष चुनाव आयोग ने इस लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखा।

आपातकाल (1975-77) जैसे कठिन समय में भी भारतीय जनता ने मतदान के जरिए लोकतंत्र को फिर से पटरी पर ला दिया, जो इस व्यवस्था की ताकत को दर्शाता है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की पहचान

शुरुआत में गुटनिरपेक्ष आंदोलन के माध्यम से भारत ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का परिचय दिया। शांति मिशनों, मानवीय सहायता और विकास साझेदारी के जरिए भारत ने अपनी साख बनाई। 21वीं सदी में भारत ने आईटी, फार्मास्युटिकल, अंतरिक्ष और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रों में दुनिया का ध्यान खींचा। चंद्रयान-3 और मंगलयान जैसी सफलताएँ इस आत्मविश्वास का प्रमाण हैं।

वर्तमान उपलब्धियाँ

डिजिटल इंडिया अभियान से ई-गवर्नेंस और डिजिटल भुगतान में क्रांति

मेक इन इंडिया से विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा

आयुष्मान भारत से करोड़ों गरीब परिवारों को स्वास्थ्य बीमा

स्वच्छ भारत मिशन से ग्रामीण स्वच्छता में सुधार

गगनयान मिशन और वैश्विक रक्षा

साझेदारी में मजबूती

वर्तमान चुनौतियाँ

हालाँकि उपलब्धियाँ बहुत हैं, पर चुनौतियाँ भी कम नहीं—

बेरोजगारी और कौशल विकास की कमी

भ्रष्टाचार और पारदर्शिता का अभाव

ग्रामीण-शहरी असमानता

पर्यावरणीय संकट और जलवायु परिवर्तन

सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की आवश्यकता

भविष्य का संकल्प

भारत को 2047 में आज़ादी के 100 वर्ष पूरे होने तक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना हर नागरिक का होना चाहिए। इसके लिए—

शिक्षा में निवेश और शोध को बढ़ावा

ऊर्जा और संसाधनों का सतत उपयोग

तकनीकी नवाचार और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन

सामाजिक न्याय और समान अवसर सुनिश्चित करना होगा

भारत का लोकतंत्र न सिर्फ उसकी राजनीतिक व्यवस्था है, बल्कि यह उसके लोगों के जज़्बे, त्याग और संघर्ष की जीवंत कहानी है।

हमारे पास विरासत का गर्व है—विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक का हिस्सा होने का गर्व। और हमारे पास भविष्य का संकल्प है—एक ऐसे भारत का निर्माण करना, जो न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो, बल्कि मानवीय मूल्यों और लोकतांत्रिक आदर्शों में भी दुनिया का मार्गदर्शन करे। भारतीय लोकतंत्र सिर्फ 1947 के बाद की देन नहीं है। इसकी जड़ें प्राचीन गणराज्यों और पंचायत प्रणाली में भी मिलती हैं। वैशाली का गणराज्य, लिच्छवि और मालवा जैसे राज्यों में जनता की भागीदारी से शासन के कई उदाहरण हमारे इतिहास में दर्ज हैं। यह बताता है कि जनसहभागिता भारत की सांस्कृतिक DNA में पहले से मौजूद थी, जिसे संविधान निर्माताओं ने आधुनिक रूप दिया।

संविधान निर्माण – लोकतंत्र का ब्लूप्रिंट

आज़ादी के बाद सबसे बड़ी चुनौती एक ऐसे संविधान का निर्माण था, जो एक विशाल, बहुभाषी, बहुधार्मिक और विविधतापूर्ण देश को एक सूत्र में बाँध सके।

अटल प्रगति पथ की धीमी रफ्तार:

बजट घोषणाएं और अधूरे वादे

भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक मुल्क में विकास कार्यों की सबसे अहम कड़ी होती है – बजट घोषणाएं। हर साल राज्य और केंद्र सरकारें भारी-भरकम योजनाओं का ऐलान करती हैं। आंकड़ों और वादों की बौछार होती है, जिससे आम जनता को लगता है कि अब उनके गाँव-कस्बों और शहरों में तरक्की की गंगा बहने लगेगी। मगर हकीकत कुछ और ही निकलती है। बजट पेश होने के बाद घोषणाओं का जोश धीरे-धीरे ठंडा पड़ जाता है और ज़मीनी हक़ीक़त अधूरी योजनाओं और आधे-अधूरे कामों के रूप में नज़र आती है। राजस्थान में "अटल प्रगति पथ" इसी अधूरे वादों का ताज़ा उदाहरण है। इस योजना का मकसद था कि गाँवों में पक्की, सीमेंटेड सड़कें बनाई जाएँ ताकि बरसात या दूसरे मौसमों में ग्रामीणों का आना-जाना न रुके। परंतु जिस रफ्तार से इन सड़कों का निर्माण होना चाहिए था, वैसा होता दिखाई नहीं देता।

अटल प्रगति पथ योजना का मकसद

राजस्थान की भौगोलिक स्थिति और जलवायु को देखते हुए बरसात में ग्रामीण इलाकों में अक्सर रास्ते बंद हो जाते हैं। कीचड़, गड्ढों और टूटी-फूटी सड़कों की वजह से स्कूल जाने वाले बच्चे, रोज़गार की तलाश में निकलने वाले मज़दूर और ज़रूरतमंद लोग बुरी तरह परेशान होते हैं। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने गाँवों में "अटल प्रगति पथ" बनाने का ऐलान किया। योजना के पहले चरण में 10 हज़ार से अधिक आबादी वाले गाँव शामिल किए गए। दूसरे चरण में 5 हज़ार की आबादी वाले गाँवों तक यह योजना पहुँचनी थी। प्रत्येक प्रगति पथ की लंबाई 1 से 3 किलोमीटर तय की गई। हर सड़क पर लगभग 2 करोड़ रुपये का खर्च अनुमानित किया गया। अतिरिक्त ज़रूरत पड़ने पर सांसद- विधायक निधि या नरेगा फंड से भी खर्च उठाने का प्रावधान रखा गया। इस योजना का सबसे बड़ा फायदा यह होता कि गाँव के लोग बरसात और आंधी-तूफान में भी सुगमता से आवागमन कर सकते। खेतों से मंडियों तक अनाज ले जाना आसान होता और बच्चों की शिक्षा तथा ग्रामीणों की रोज़मर्रा की

ज़िंदगी पर सकारात्मक असर पड़ता।

अधूरी तस्वीर: घोषणाएं बनाम ज़मीनी हक़ीक़त

पिछले साल के बजट में 52 अटल प्रगति पथ बनाने का ऐलान हुआ था। मगर वित्तीय वर्ष के अंत तक इनमें से सिर्फ 16 पथ ही पूरे हो पाए। बाक़ी के काम या तो शुरू ही नहीं हुए या अधूरे रह गए। फिर भी सरकार ने इस साल के बजट में पहले से पाँच गुना ज्यादा अटल प्रगति पथ बनाने का नया ऐलान कर दिया। जबकि पुराने अधूरे पड़े कामों पर ध्यान देने की ज़रूरत थी। वर्तमान स्थिति यह है कि घोषित नए प्रगति पथों में से सिर्फ 37 पर ही काम शुरू हो पाया है। यानी शेष सड़कें अब भी फ़ाइलों और घोषणाओं में ही अटकी पड़ी हैं।

देरी के कारण

योजनाओं की धीमी रफ्तार की वजहें कई हैं।

जनप्रतिनिधियों की अरुचि: गाँवों में किस रास्ते पर सड़क बने और किसे प्राथमिकता मिले, यह अक्सर सांसदों और विधायकों की पसंद-नापसंद पर टिका होता है। स्थानीय राजनीति और वोट-बैंक के हिसाब से काम होते हैं। नतीजतन कई गाँव उपेक्षा के शिकार हो जाते हैं।

ठेकेदारों की लापरवाही: टेंडर मिल जाने के बाद ठेकेदार काम शुरू करने में महीनों लगा देते हैं। कभी-कभी काम अधूरा छोड़कर चले जाते हैं। सख्त मॉनिटरिंग और दंडात्मक कार्रवाई न होने से यह प्रवृत्ति बढ़ती जाती है।

प्रशासनिक ढिलाई: योजनाओं की निगरानी और रिपोर्टिंग का सिस्टम मज़बूत नहीं है। अधिकारी अक्सर सिर्फ कागज़ी प्रगति दिखाने तक सीमित रहते हैं।

बजट की अनुपलब्धता या देरी से फंडिंग: कई बार फंड जारी होने में देरी हो जाती है। धन की कमी से भी काम रुक जाता है।

जनता की उम्मीदें और निराशा

गाँव का साधारण नागरिक यह सोचता है कि जब सरकार ने विधानसभा में घोषणा कर दी, तो अब सड़क बनकर रहेगी। लोग उत्साह से चर्चा करते हैं कि उनके गाँव का रास्ता पक्का हो जाएगा। मगर जब महीनों और सालों तक कोई काम शुरू नहीं होता, तो निराशा बढ़ जाती है। कई ग्रामीण बताते हैं कि बरसात में कीचड़ भरे रास्तों से अस्पताल तक मरीज़ ले जाना बहुत मुश्किल हो जाता है। स्कूल जाने वाले बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। किसान अपना अनाज मंडी तक नहीं पहुँचा पाते। ऐसी स्थिति में अधूरी घोषणाएं लोगों के लिए मज़ाक बन जाती हैं।

अधूरी घोषणाओं की परिपाटी

भारतीय राजनीति में यह आम बात हो चुकी है कि एक बजट की घोषणाएं पूरी हुए बिना ही अगले बजट में उसी तरह की नई घोषणाएं कर दी जाती हैं। इससे दो नुकसान होते हैं – जनता के मन में सरकार की विश्वसनीयता कम होती है। संसाधनों का बंटवारा अधूरा रह जाता है। यदि पिछले साल की घोषणाएं अधूरी हैं, तो नए साल में उसी मद में नई घोषणाएं करने से बेहतर होगा कि पहले अधूरे काम पूरे कराए जाएँ।

सुधार की ज़रूरत

अटल प्रगति पथ जैसे अहम प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए कुछ ठोस कदम उठाने होंगे –

समयबद्ध कार्रवाई: जैसे ही बजट में कोई घोषणा हो, उसी वक़्त से टेंडर की प्रक्रिया शुरू हो और एक तय समय-सीमा के भीतर काम शुरू हो जाए।

ठेकेदारों पर सख्ती: जो ठेकेदार काम में लापरवाही बरतें, उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाए। ऐसे ठेकेदारों को भविष्य में कोई काम न दिया जाए।

जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही: सांसद और विधायक सिर्फ घोषणाएं न करें बल्कि काम की प्रगति पर नियमित नज़र रखें।

निगरानी तंत्र मज़बूत करना: हर महीने प्रगति रिपोर्ट तैयार हो और जनता के सामने प्रस्तुत की जाए। इससे पारदर्शिता बनी रहेगी।

स्थानीय भागीदारी: गाँव के लोगों को भी निर्माण कार्यों की निगरानी का अधिकार दिया जाए ताकि वे अपने हक़ की सड़क समय पर बनवा सकें।

बजट घोषणाएं और राजनीतिक लाभ

राजनीति में बजट घोषणाओं को जनता के सामने "तोहफ़े" की तरह पेश किया जाता है। चुनावी साल हो तो घोषणाओं की संख्या और भी बढ़ जाती है। मगर हकीकत यह है कि जब तक योजनाएं पूरी नहीं होतीं, तब तक यह तोहफ़े सिर्फ कागज़ पर लिखी बातें ही रह जाती हैं। अटल प्रगति पथ जैसी परियोजनाएं अगर समय पर पूरी हों, तो ग्रामीण इलाकों की तस्वीर बदल सकती है। पक्की सड़कें बनने से गाँव-शहर का फासला घट जाएगा। किसानों की उपज समय पर मंडी पहुँच सकेगी। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे। राजस्थान समेत पूरे देश में यह परंपरा बन गई है कि बजट में बड़े-बड़े ऐलान किए जाते हैं, लेकिन उन्हें पूरा करने में इच्छाशक्ति और पारदर्शिता की कमी रहती है। अटल प्रगति पथ योजना का हाल भी यही है। सरकार को चाहिए कि एक बजट की घोषणा पूरी हुए बिना अगले बजट में उसी मद में नई घोषणाएं न करे। जनता की सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाए। ठेकेदारों और अधिकारियों की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई हो।

मजरूह सुल्तानपुरी : शायरी और सिनेमा का कारवां

-मजरूह और बॉलीवुड का सुनहरा दौर

"मैं अकेला ही चला था जानिब-ए-मंज़िल मगर,
लोग साथ आते गए और कारवां बनता गया।"

यह मशहूर शेर सिर्फ एक खूबसूरत अल्फ़ाज़ों का ताना-बाना नहीं है, बल्कि यह खुद मजरूह सुल्तानपुरी की जिंदगी, उनकी सोच और उनके सफ़र की सही तर्जुमानी करता है। उर्दू शायरी की लम्बी तारीख़ में बहुत से नाम आए और गए, लेकिन कुछ शख्सियतें ऐसी हैं, जिन्होंने अपने हुनर से न सिर्फ अदबी दुनिया को रोशन किया बल्कि फिल्मों और गानों के ज़रिये आम जनता के दिलों तक पहुंचे। उन्हीं में से एक नाम है मजरूह सुल्तानपुरी। हिन्दस्तानी शायरी की दुनिया में यह नाम किसी तारे की तरह चमकता है। एक तरफ उनकी ग़ज़लें और नज़्में क्लासिकल अदब की मिसाल बनती हैं तो दूसरी तरफ फिल्मों के लिए लिखे उनके नग़मे आम आदमी की ज़िंदगी और जज्बात का आईना बन जाते हैं। यही वजह है कि उन्हें सिर्फ "फिल्मी गीतकार" कहना उनके साथ नाइंसाफी होगी, क्योंकि वे एक मुकम्मल शायर थे, जिन्होंने शायरी के हर पहलू को छुआ और अपनी पहचान बनाई।

जन्म और शुरुआती तालीम

मजरूह सुल्तानपुरी का असल नाम असरार-उल-हसन खान था। उनका जन्म 1 अक्टूबर 1919 को उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में हुआ। उनका ताल्लुक़ एक ऐसे परिवार से था, जहां परंपरा, मज़हब और तालीम को अहमियत दी जाती थी। उनके वालिद (पिता) खिलाफत तहरीक से प्रभावित थे और अंग्रेजी तालीम के खिलाफ थे। लिहाजा उन्होंने अपने इकलौते बेटे को मदरसे में दाखिल कराया। मदरसे में मजरूह ने सिर्फ उर्दू ही नहीं, बल्कि फारसी और अरबी की भी तालीम हासिल की। यही उनकी शायरी की नींव बनी। शुरुआती दिनों में किसी ने सोचा भी नहीं था कि यह बच्चा आगे चलकर हिंदुस्तान के सबसे बड़े शायरों में गिना जाएगा। लेकिन तक़दीर अपनी राह खुद बनाती है।

शायरी की तरफ रुझान

मजरूह शुरू में डॉक्टर बनना चाहते थे और यूनानी तिब्ब की पढ़ाई की। लेकिन उनकी रुचि अदब और शायरी में थी। यह शौक तब और गहरा हुआ जब

मशहूर अदीब प्रोफेसर रशीद अहमद सिद्दीकी और शायर जिगर मुरादाबादी से उनकी मुलाकात हुई। जिगर की शायरी और उनकी शख्सियत ने असरार-उल-हसन के दिल पर गहरी छाप छोड़ी। यहीं से असरार-उल-हसन "मजरूह" बन गए। उन्होंने "मजरूह" तखल्लुस (उपनाम) अपनाया, जिसका मतलब है – जख्मी। उनकी ग़ज़लों में अक्सर दर्द, मोहब्बत, इंसानियत और जिंदगी की तल्खियां झलकती हैं।

मुंबई का सफर और फिल्मों से रिश्ता

मजरूह की शायरी ने उन्हें धीरे-धीरे मुशायरों की दुनिया में मशहूर कर दिया। मुंबई के एक मुशायरे में उनकी ग़ज़ल पढ़ी गई, जिसने सबको प्रभावित कर दिया। वहां मौजूद मशहूर फिल्म निर्देशक ए. आर. कारदार ने मजरूह को नोटिस किया। उस समय कारदार फिल्म शाहजहां बना रहे थे। फिल्म का संगीतकार था नौशाद और हीरो थे के. एल. सहगल। नौशाद ने मजरूह को गाने लिखने के लिए कहा। शुरुआत में मजरूह थोड़ा झिझके, क्योंकि उन्हें अदबी शायरी ही पसंद थी। लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने फिल्मी गीतों को भी उसी नफ़ासत और खूबसूरती से लिखा, जैसे एक ग़ज़ल या नज़्म।

फिल्मी दुनिया में पहचान

फिल्म शाहजहां (1946) के गाने जब आए, तो उन्होंने धूम मचा दी। मजरूह की लिखी नज़ाकत भरी लाइनों ने उन्हें रातों-रात पहचान दिलाई। उसके बाद तो मजरूह लगातार फिल्मों के लिए लिखते रहे। उनकी कलम से ऐसे नग़मे निकले, जो आज भी हिंदी सिनेमा की धरोहर माने जाते हैं। मजरूह सुल्तानपुरी की खासियत यह थी कि वे फिल्मी गीतों को भी शायरी का दर्जा देते थे। उनकी ग़ज़लों की मिठास, भाषा की नफ़ासत और जज्बात की गहराई उनके गीतों में साफ झलकती थी। चाहे वह मोहब्बत का नग़मा हो या जिंदगी का कोई फलसफ़ा – मजरूह हर रंग में ढल जाते थे।

राजनीतिक सोच और जेल यात्रा

मजरूह सिर्फ शायर ही नहीं थे, बल्कि उनका जुड़ाव समाज और सियासत से भी था। आज़ादी के बाद के दिनों में जब देश का माहौल बदल रहा था, मजरूह वामपंथी विचारधारा के करीब आए। उन्होंने कई नज्में लिखीं, जिनमें अंग्रेजी हुकूमत और शोषण के खिलाफ आवाज़ बुलंद की। उनकी एक नज़्म में पंडित नेहरू की आलोचना भी शामिल थी। इसके चलते उन्हें 1949 में जेल जाना पड़ा। यह घटना उनके व्यक्तित्व के उस पहलू को दिखाती है, जो सिर्फ अदबी या फिल्मी दायरे तक सीमित नहीं था, बल्कि समाज के मुद्दों से गहरे जुड़ा हुआ था।

मजरूह और बॉलीवुड का सुनहरा दौर

1950 और 60 का दशक हिंदी सिनेमा का सुनहरा दौर था। इस दौर में मजरूह की कलम ने अनगिनत शाहकार गीत लिखे। नौशाद, एस.डी. बर्मन, आर.डी. बर्मन, ओ.पी. नैयर, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल जैसे बड़े संगीतकारों के साथ उन्होंने काम किया। उनके लिखे गीतों ने मोहम्मद रफी, किशोर कुमार, लता मंगेशकर, आशा भोंसले जैसे गायकों की आवाज़ में चार चाँद लगाए।

"तेरे घर के सामने एक घर बनाऊँगा"

"छोड़ दो आँचल ज़माना क्या कहेगा"

"पहला नशा, पहला खुमार"

"ओ मेरे दिल के चैन"

ये सभी गाने मजरूह की कलम की पहचान हैं। उनकी लिखी लाइनों में आम आदमी की ज़िंदगी, उसके सपने और उसकी मोहब्बत झलकती थी।

अदबी शायरी में योगदान

हालाँकि फिल्मों ने उन्हें लोकप्रिय बना दिया, लेकिन मजरूह ने अदबी शायरी को कभी नहीं छोड़ा। उनकी ग़ज़लों और नज़्मों में वही क्लासिकल परंपरा कायम रही, जिसकी शुरुआत ग़ालिब और जिगर जैसे शायरों से हुई थी। उनकी शायरी में मोहब्बत के साथ-साथ इंसानियत और बराबरी की आवाज़ मिलती है। यही वजह है कि मजरूह को सिर्फ एक गीतकार नहीं बल्कि एक मुकम्मल शायर कहा जाता है।

सम्मान और इज़्ज़त

मजरूह सुल्तानपुरी को उनके योगदान के लिए कई बड़े सम्मान मिले। 1965 में फिल्म दोस्ती के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। 1993 में उन्हें दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड से नवाज़ा गया – यह अवॉर्ड पाने वाले वे पहले गीतकार थे। इसके अलावा उन्हें अदबी दुनिया में भी बेहद इज़्ज़त हासिल रही।

मजरूह की खासियत

भाषा की सादगी और नफ़ासत – उनकी शायरी आम आदमी भी समझ सके और अदबी लोग भी उसकी गहराई को महसूस करें। जज्बात की गहराई – चाहे मोहब्बत हो, ग़म हो या इंसाफ़ की आवाज़ – उनकी कलम ने हर अहसास को शिद्दत से बयान किया। फिल्म और अदब का मेल – उन्होंने फिल्मी गीतों को भी एक अदबी मुकाम दिया। लंबा सफ़र – पाँच दशकों से भी ज्यादा समय तक उन्होंने लगातार लिखा और हर दौर में प्रासंगिक रहे।

आखिरी दिन और विरासत

मजरूह सुल्तानपुरी का सफर 24 मई 2000 को खत्म हुआ। लेकिन उनका लिखा हुआ आज भी ज़िंदा है। वे सचमुच उस शेर की मिसाल थे जो उन्होंने खुद लिखा – "मैं अकेला ही चला था जानिब-ए-मंज़िल मगर, लोग साथ आते गए और कारवां बनता गया।"

सहकारी समितियों की संख्या में 10 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य - भजनलाल शर्मा

- 2 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक प्रदेश में चलेगा सहकार सदस्यता अभियान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के प्रयासों से देश सहकार से समृद्धि की नई कहानी लिख रहा है। उनके मार्गदर्शन में हमारी सरकार सहकारिता की शक्ति से प्रदेश की प्रगति को नया आयाम प्रदान कर रही है। इसी दिशा में 2 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक सहकारिता से जोड़ने के लिए सहकार सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें विशेष रूप से महिलाओं एवं युवाओं को जोड़ा जाएगा।

शर्मा गुरुवार को कांस्टीट्यूशन क्लब में सहकार सदस्यता अभियान के शुभारम्भ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लगभग 8 हजार 300 पैक्स स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस अभियान में 5 विभागीय गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। साथ ही, सहकारी समितियों की संख्या में 10 प्रतिशत वृद्धि करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि पैक्स विहीन 2 हजार 158 ग्राम पंचायतों में नवीन पैक्स एवं जिन ग्राम सेवा सहकारी समितियों के पास गोदाम बनाने के लिए भूमि नहीं है, उन्हें भूमि आवंटन का कार्य भी किया जाएगा। हमारी सरकार सहकारिता से जुड़ने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए दलहन, मसालों आदि को भी इससे जोड़ने का प्रयास करेगी।

सहकारिता से गांव-गांव और जन-जन हो रहा सशक्त

मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारिता में सभी व्यक्ति सामाजिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए मिलकर काम करते हैं। यह गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। सहकारिता के माध्यम से राजस्थान का गांव-गांव और जन-जन सशक्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमने लगभग 77 लाख से अधिक किसानों को 42 हजार 765 करोड़ रुपये के अल्पकालीन ब्याज मुक्त फसली ऋण, 2 लाख 48 हजार नए कृषकों को 433 करोड़ रुपये के फसली ऋण, 30 हजार से अधिक लाभार्थियों को 260 करोड़ रुपये के आजीविका ऋण वितरित किए है। साथ ही, अन्न भंडारण योजना के तहत श्रीगंगानगर जिले के घमूड़वाली पैक्स में गोदाम, प्रसंस्करण यूनिट और कस्टम हायरिंग केंद्र शुरू किए हैं। इसी तरह, सहकारी बैंको द्वारा करीब 7 हजार किसानों तथा लघु उद्यमियों को 246 करोड़ रुपये के दीर्घकालीन ऋण भी वितरित किए गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकारिता को बनाया विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई 2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना कर इसे देश के विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनाया। वहीं, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से केन्द्र सरकार द्वारा किसानों को 6 हजार रुपये हर साल दिए जाते हैं। प्रदेश में वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 76 लाख से अधिक किसानों को अब तक 7 हजार 54 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के किसानों को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत अतिरिक्त 3 हजार रुपये प्रतिवर्ष सम्मान राशि दे रही है। इसके तहत किसानों को अब तक 1 हजार 355 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने 'सहकार से समृद्धि' को उतारा धरातल पर

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 'सहकार से समृद्धि' के मंत्र को धरातल पर उतारने के लिए अनेक क्रांतिकारी कदम उठाए हैं। सहकारिता मंत्रालय ने पिछले चार वर्षों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों, डेयरी, मत्स्य, सहकारी बैंकों, चीनी सहकारी संस्थाओं और सहकारी शासन प्रणाली को सशक्त बनाने के लिए 100 से अधिक पहलें की हैं। पैक्स को राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर नेटवर्क के माध्यम से कम्प्यूटरीकृत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक पंचायत और गांव में दो लाख से अधिक बहुउद्देशीय पैक्स, डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियां पांच वर्षों में गठित किए जाने का कार्य किया जा रहा है। सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी विकेंद्रीकृत अन्न भंडारण योजना के तहत पैक्स स्तर पर गोदाम और अन्न भंडारण केंद्र का निर्माण किया जा रहा है।

गांधी जयंती पर आम आदमी पार्टी ने किया महात्मा गांधी को नमन

-सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ जताया विरोध

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। महात्मा गांधी जी की 156वीं जयंती के अवसर पर आम आदमी पार्टी जयपुर टीम ने गांधी सर्किल (कनोडिया कॉलेज, जयपुर) स्थित गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने देश के वरिष्ठ शिक्षाविद्, पर्यावरणविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गैरकानूनी गिरफ्तारी के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। आप प्रदेश प्रभारी धीरज टोकस ने कहा की "सोनम वांगचुक एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने शिक्षा, पर्यावरण और लद्दाख के अधिकारों के लिए दशकों तक संघर्ष किया है। उनकी गिरफ्तारी लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर सीधा प्रहार है। यह घटना दर्शाती है कि मोदी सरकार असहमति की आवाज़ों को दबाने के लिए प्रशासनिक दमन का सहारा ले रही है। आम आदमी पार्टी राजस्थान इस तानाशाही प्रवृत्ति और अलोकतांत्रिक कृत्य की कड़ी निंदा करती है और केंद्र सरकार से मांग करती है कि सोनम वांगचुक को अविलंब रिहा किया जाए तथा शांतिपूर्ण आंदोलनों का सम्मान किया जाए।" कार्यक्रम में आम आदमी पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता अमित दाधीच, जुगल किशोर शर्मा, संगीता गौड़, अमित वशिष्ठ, डॉ. सुनील दयाल, सुनील अग्रवाल, रमेश बिश्नोई, धीरेश कुमार जैन, आशुतोष रांका, अनुप चतुर्वेदी, वीरेंद्र सिंह चौधरी, मुबारक अली, राशिद हसन, डॉ. विभोर गुप्ता, विनीत शर्मा, डॉ. पुराराम सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। शांति और संविधान के मार्ग पर प्रतिबद्धता: गांधी जयंती जैसे पावन अवसर पर आम आदमी पार्टी ने यह संदेश दिया कि अहिंसा, सच्चाई और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष आज भी उतना ही आवश्यक है जितना गांधीजी के समय था। आप सह प्रभारी घनेंद्र भारद्वाज ने कहा कि "जब तक देश में नागरिकों की आवाज़ को दबाया जाएगा, तब तक आम आदमी पार्टी संविधान और जनतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी।"

कांग्रेस ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को दी श्रद्धांजलि

-डोटासरा ने केंद्र और राज्य सरकार पर किया हमला

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती के अवसर पर गुरूवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, इन्दिरा गाँधी भवन, स्टेशन रोड, जयपुर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा तथा पुष्पांजलि कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सर्वधर्म प्रार्थना सभा में पं. गिरिराज बालोरिया ने भजन प्रस्तुत किए, सरदार मनिन्दर सिंह बग्गा ने गुरूवाणी, फादर विजय पॉल ने बाईबल तथा कारी अब्दुल रशीद ने कुरान की आयतों को पढ़ा। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस पार्टी के विधायकगण, विधायक प्रत्याशीगण, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीगण सहित अनेक कांग्रेसजनों ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर अपनी भावभीनी पुष्पांजलि दी।

सर्वधर्म प्रार्थना सभा एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम के पश्चात् उपस्थित मीडिया को सम्बोधित करते हुये प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के समस्त नेता एवं कार्यकर्ता राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी द्वारा बताये गये रास्ते पर चलने के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि केन्द्र की पूर्ववर्ती यूपीए सरकार एवं राज्य की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने अपने शासनकाल के दौरान जो जनकल्याणकारी योजनायें शुरू की थी वे सभी राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की भावनाओं के अनुरूप जनसेवा को समर्पित थी, लेकिन जबसे केन्द्र एवं प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है तब से इन योजनाओं को ठण्डे बस्ते में डालकर जनता के हितों पर कुठाराघात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आरएसएस वाले शिक्षा के मंदिर में शस्त्र पूजन का आयोजन कर रहे हैं जो गलत है, शिक्षा के मंदिर में केवल शिक्षा होनी चाहिए, ना कि शस्त्र की पूजा और शांतिपूर्वक संवैधानिक अधिकारों के तहत् जब विद्यार्थी इसका विरोध करते हैं तो उन्हें शस्त्रों से मारपीट कर घायल किया गया और पुलिस में इसकी रिपोर्ट तक दर्ज नहीं की, जबकि कई छात्र बुरी तरह से घायल है, उनके शरीर पर हथियारों के घाव के निशान साफ देखे जा सकते हैं।

गांधी जयंती पर कलक्टरेट जयपुर में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का आयोजन

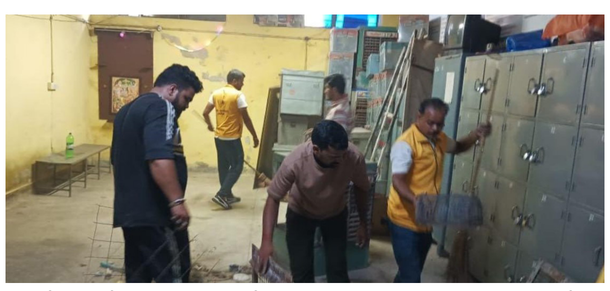

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार सेवा पखवाड़े-2025 के तहत गांधी जयंती के अवसर पर 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत कलक्टरेट जयपुर में विशेष स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में गुरुवार को आयोजित इस कार्यक्रम में कलक्टरेट के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए और कार्यालय परिसर में व्यापक सफाई एवं वीडिंग कार्य किया। इस दौरान सभी ने अपने-अपने कक्षों की धूल-मिट्टी साफ कर जाले हटाए, डस्टिंग की, अभिलेखों को सुव्यवस्थित किया तथा अनुपयोगी कागज एवं सामग्री को हटाकर स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित किया। अभियान के अंतर्गत कर्मचारियों ने कार्यालय प्रांगण, गलियारों और खुले क्षेत्र में भी सफाई कर स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। इस अवसर पर महात्मा गांधी की प्रतिमा को नमन कर उनके स्वच्छता के संदेश को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह निरंतरता से अपनाई जाने वाली जीवनशैली होनी चाहिए। सबने मिलकर कार्यालय को स्वच्छ, व्यवस्थित और सुसज्जित बनाने का संकल्प लिया। अतिरिक्त जिला कलक्टर नरेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित यह गतिविधि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उस परिकल्पना को साकार करती है जिसमें स्वच्छता को समाज और प्रशासन की प्राथमिकता बनाने का आह्वान किया गया है।

यूनानी चिकित्सा पद्धति के लिए उत्कृष्ट कार्य करने पर डॉ. कादिर हुसैन को सम्मानित किया गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । विभागीय यूनानी चिकित्सा अधिकारी संघ राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कादिर हुसैन को हकीम अब्दुल हमीद साहब की जयंती समारोह जयपुर में आल इंडिया यूनानी तिब्बी कांफ्रेंस की तरफ से नेशनल सेमिनार में अप्रेशियेशन अवार्ड व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। आरको पैलेस होटल, जयपुर में हमदर्द के संस्थापक हकीम अब्दुल हमीद साहब की जयन्ती पर आल इंडिया तिब्बी कांफ्रेंस की तरफ़ से एक दिवसीय कार्यशाला व समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान राज्य के यूनानी चिकित्सकों व गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। इस कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. गोविंद पारीक, जेएलएन शिक्षण संस्थान ग्रुप के चैयरमेन डॉ. आजम बेग, यूनानी चिकित्सा विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. मनमोहन खिंची व डॉ. शौकत अली ने राजस्थान में यूनानी चिकित्सा पद्धति में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए डॉ. कादिर हुसैन को APPRECIATION AWARD से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त डॉ. मकबूल अहमद को सर्वश्रेष्ठ यूनानी प्रैक्टिशनर का पुरस्कार, डॉ. फ़रहत चौधरी को हकीम अब्दुल हकीम पुरस्कार, डॉ. निसार अहमद व डॉ. अकमल को एकेडमिक पुरस्कार, डॉ. अय्यूब को टेक्निकल विंग पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता यूनानी चिकित्सा विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. शौकत अली ने की और मुख्य अतिथि जेएलएन ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. आज़म बेग व मुख्यमंत्री के OSD डॉ. गोविंद पारीक रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आफताब नकवी ने किया। नेशनल सेमिनार में डॉ. अकमल ने मस्कुलर डिसीज़ व डॉ. सरफ़राज़ ने स्किन डिसीज़ पर अपने व्याख्यान दिए। कार्यक्रम में यूनानी चिकित्सा विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. मोहम्मद अकरम तथा विभाग के अन्य चिकित्सकों के साथ यूनानी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. शफ़ीक़ नक़वी, यूनानी मेडिकल कॉलेजों के प्रोफ़ेसर डॉ. अजमी सर, प्रोफेसर डॉ. आगा शहनवाज सर सहित यूनानी मेडिकल स्टूडेंट्स, प्राइवेट यूनानी प्रैक्टिशनर, यूनानी फ़ार्मेसी से संबंधित आदि डॉक्टर्स ने शिरकत की । जिसमें से कुछ चुनिंदा डॉक्टर्स को प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया ।

वन्यजीवों की सुरक्षा के संकल्प के साथ हुआ 71वें वन्यजीव सप्ताह का आगाज़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रकृति और वन्यजीवों की रक्षा का संकल्प दोहराते हुए 71वें वन्यजीव सप्ताह का शुभारम्भ नाहरगढ़ जैविक उद्यान में हुआ। यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण की नई दिशा का वाहक बना। मुख्य वन संरक्षक डॉ. टी. मोहनराज एवं उप वन संरक्षक विजयपाल सिंह के मार्गदर्शन में पौधारोपण और रंगीन गुब्बारे उड़ाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर एसीएफ प्राची चौधरी, देवेंद्र सिंह राठौड़, संतोष मीणा, डॉ. हेमलता शर्मा, बनवारी लाल और डॉ. अरविंद माथुर सहित वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। उप वन संरक्षक, वन्यजीव चिड़ियाघर जयपुर विजयपाल सिंह ने बताया कि सप्ताह के पहले दिन विभिन्न विद्यालयों के लगभग 330 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन को जीवंत बना दिया। इनमें टैगोर पब्लिक स्कूल, जामडोली, आदर्श विद्या मंदिर कोटखावदा, आदर्श विद्या मंदिर बस्सी, ब्राइट्स पब्लिक स्कूल आमेर और चिल्ड्रन्स एकेडमी बी.बी. स्कूल कुकस के विद्यार्थी शामिल रहे। बच्चों ने वन्यजीव भ्रमण कर अपने अनुभव साझा किए और संरक्षण का संदेश आत्मसात किया। इस अवसर पर

स्वच्छ एवं हरित अभियान को हरी झंडी दिखाकर आगे बढ़ाया गया, विद्यार्थियों को प्रेरित करने हेतु कठपुतली नाट्य का मंचन किया गया तथा बनवारी लाल ने सभी को प्रकृति और वन्यजीवों की रक्षा की शपथ दिलाई। वहीं जयपुर चिड़ियाघर में लगभग 150 विद्यार्थियों और स्टाफ ने दिवंगत वन्यजीवों को श्रद्धांजलि अर्पित की। हाथीगांव और झालाना लेपर्ड रिज़र्व में व्यापक स्वच्छता एवं पौधारोपण अभियान चलाकर पर्यावरण संवर्धन का संकल्प दोहराया गया। सीसीएफ डॉ. टी. मोहनराज ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वन्यजीवों का संरक्षण केवल कर्तव्य नहीं बल्कि एक समृद्ध और सुरक्षित भविष्य की नींव है। प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। आगामी सात दिनों तक चलने वाला यह सप्ताह संरक्षण की भावना को नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

51 फुट का रावण का दहन हुआ

-राम दरबार की भव्य झांकी निकाली

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे में विजयादशमी के पावन मौके पर पूरा मनोहरपुर श्री राम के जयकारों से गूंज उठा। दशहरा मैदान में गुरुवार शाम आयोजित भव्य समारोह में 51 फुट ऊंचे रावण के साथ ही 35 -35 फुट के कुंभकर्ण और मेघनाथ के विशाल पुतलों ने आग के गोले में समाधि ले ली। रावण दहन के दौरान पूरा आकाश रोशनी से जगमगा उठा। इससे पहले गंगा माता मंदिर परिसर से राम दरबार की एक मनमोहक झांकी निकाली गई, जिसने शहर के प्रमुख मार्गों पर अपनी छाप छोड़ी। झांकी में भगवान राम, लक्ष्मण और माता सीता के सजीव रूप देख भक्त मंत्रमुग्ध हो गए। लोग ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूमते हुए "जय श्री राम" के नारे लगाते नजर आए। इस दौरान कस्बे के कई प्रमुख मार्गों की जगह जगह करतब बाजी दिखाई गई। इस दौरान शाम के समय ज्योंही अग्नि बाण चलाकर रावण का दहन किया गया, त्योंही दशहरा मैदान में मौजूद हजारों दर्शकों में खुशी की लहर दौड़ गई। आतिशबाजी के रंग-बिरंगे फव्वारों ने समां और भी रोमांचक बना दिया।

सुरक्षा में जुटा रहा पुलिस बल:-

कार्यक्रम के दौरान किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा की अगुवाई में पुलिस की कड़ी तैनाती रही। व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन को सफलता मिली और पूरा उत्सव शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष सुनीता प्रजापत, चेयरमैन प्रतिनिधि कैलाश बेनीवाल, रामधन गुर्जर, शंकर प्रजापत, एडवोकेट अशोक व्यास, संपूर्णानंद शर्मा, शशिकांत बेनीवाल, राकेश बेनीवाल, मनीष बेनीवाल, विमल केशुका, नितेश गुप्ता, शोराम जाट अजय बेनीवाल, कानाराम गुर्जर सहित कई लोग मौजूद रहे।

गांधी-शास्त्री जयंती मनाई: महापुरुषों की प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर किया सम्मान

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर गांधी चौक पर गुरूवार को एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मनीष यादव के निदर्शन में दोनों महान विभूतियों को याद किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान गांधी चौक पर स्थित महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमाओं पर फूल चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। एक विशेष आयोजन के तहत महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प वर्षा भी की गया, जिसने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया। "बिना हथियार की लड़ाई ने दिलाई थी आज़ादी" मौके पर नगर अध्यक्ष अलाउद्दीन खान ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, "राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने नारी शक्ति को प्रेरित किया और देश की आज़ादी के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। उन्होंने बिना हथियार उठाए अहिंसक आंदोलन से ही वह आज़ादी दिलाई, जो आज हम सभी का गौरव है। आज पूरा देश उनके और शास्त्री जी के आदर्शों को याद कर रहा है।" कार्यक्रम में शहर के कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। माहौल में देशभक्ति और सम्मान की भावना साफ़ झलक रही थी। महापुरुषों को याद करने का यह आयोजन न सिर्फ़ ऐतिहासिक विरासत की याद दिलाता है, बल्कि युवा पीढ़ी को उनके सिद्धांतों से जोड़ने का एक ज़रिया भी बन गया। ऐसे कार्यक्रम समाज में राष्ट्रीय एकता और नैतिक मूल्यों की अलख जगाए रखने में महत्वपूर्ण भूमि का निभाते हैं। गांधी-शास्त्री जयंती पर आयोजित यह कार्यक्रम न सिर्फ़ ऐतिहासिक विरासत को जीवंत करता है, बल्कि नई पीढ़ी को अहिंसा, सादगी और देशप्रेम की प्रेरणा भी देता है। गांधी चौक पर हुआ यह आयोजन सामाजिक एकता और राष्ट्रीय चेतना का सशक्त संदेश बनकर उभरा। इस दौरान नगर कांग्रेस अध्यक्ष अलाउद्दीन खां, सेवादल नगर कांग्रेस अध्यक्ष राकेश हलकारा, पुर्व सरपंच अर्जुन मोहनपुरिया, युवा नेता कैलाश गुर्जर, रवि कुमार मीणा, खेमचन्द असवाल, कैलाश धोबी, निशार खोकर, इकबाल रेंजर, महावीर सैनी, पंकज मिश्रा, विजेंद्र प्रजापत, सत्तार खान, महेश जड़वाल,रामस्वरूप बेनीवाल, विक्रम धोलीवाल, वसीम अकरम, शशिकांत बेनीवाल, मनीष बेनीवाल,इमरान आजाद, सिद्धार्थ मुदग्गल,हफिज खोकर, गजानंद बेनीवाल, राजू हरिजन, आदि कांग्रेसजन मौजूद थे।

जयपुर जिले को स्वच्छ, सुंदर, पार्को से सुसज्जित करना हमारा लक्ष्य

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक आयोजित स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 का जिला स्तरीय समापन समारोह 2 अक्टूबर गांधी जयंती, के अवसर पर जिला प्रमुख श्रीमती रमा देवी चोपड़ा के मुख्य आतिथ्य में हरिशचंद्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान के भगवत सिंह मेहता सभागार में जिला परिषद जयपुर के सौजन्य से आयोजित हुआ। जिला प्रमुख ने कहा कि जयपुर जिले को स्वच्छ, सुंदर, समृद्ध एवं पार्को से सुसज्जित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। पंचायती राज विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त डॉ. जोगाराम ने जिले के ग्रामीण क्षेत्र में हुए विकास कार्यों एवं नवाचारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता को व्यवहार में लाने के लिए कार्य करें ताकि हमारे गांव भी शहरों के समान स्वच्छ, सुंदर हो। डॉक्टर जोगाराम ने प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए सभी को शपथ भी दिलाई।

जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा ने जयपुर जिले में स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए नवाचारो पर प्रस्तुति देते हुए बताया कि राज्य की प्रथम प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट इकाई, गोवर्धन परियोजना, वेस्ट टू आर्ट कलाकृतियां सांगानेर की ग्राम पंचायत पंचालिया में की गई साफ-सफाई तथा प्लास्टिक मुक्त वातावरण हेतु ग्राम पंचायत में स्थापित किए गए बर्तन बैंक आदि नवाचार जयपुर जिले में किए गए है। इस दौरान संयुक्त निदेशक आरआरडीएस मुरारी लाल शर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान अतिथियों ने स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 15 जनप्रतिनिधियों एवं कार्मिकों को भी सम्मानित किया।

इस अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन की निदेशक सोनाली खेमका, प्रधान, सरपंचो सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं कार्मिक उपस्थित थे।

हजरत पठान बाबा रहमतुल्लाह अलैह का सालाना उर्स

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। हजरत पठान बाबा का सालाना उर्स बड़े अहतमाम के साथ मनाया जायेगा पठान बाबा के दरबार में बड़े हकीम साहब की तरफ से चादर पेश कि जायेगी और हिन्द मुस्लिम एकता कि मिसाल देखी जाती हैं। शुक्रवार 03-10-25 को कुरआन की तिलावत होगी शाम को महफिले मिलाद होगी शनिवार 04-10-25 को सुबह कुल कि रस्म होगी उसके बाद फातिया खानी होगी और लंगर होगा। ये जानकारी सज्जादा एवं गद्दीनशीन पीर शब्बीर खान चिश्ति मिस्किन नियाजी ने दी उर्स व्यास कॉलोनी नाहरी का नाका जयपुर में मनाया जाएगा । इस उर्स मे जयपुर के अलावा बाहर के जायरिन आते है ।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

जन भागीदारी से होगा लोकल फ़ॉर वोकल का संकल्प साकार- हीरालाल नागर

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर देश में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता को बढ़ावा दे रहे है। जनभागीदारी से लोकल फ़ॉर वोकल का संकल्प जन- जन तक पहुंचाने को लेकर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर व भाजपाई पत्रकारों से रूबरू हुए। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिंह सिकरवार, वरिष्ठ नेता हेमराज मीणा व यशभानु जैन, जिला संगठन प्रभारी पारस जैन, विधायक राधेश्याम बैरवा व डॉ. ललित मीणा, पूर्व जिलाध्यक्ष जगदीश मीणा, जिला महामंत्री ब्रम्हानंद शर्मा शहर अध्यक्ष ओपी पारेता उपस्थित रहे। पत्रकारों को संबोधित करते हुए ऊर्जा मंत्री नागर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के माध्यम से देश के हर नागरिक तक पहुंचेगी और स्वदेशी अपनाने का आहान करेगी। इसके लिए दिनांक 25 सितम्बर 2025 को पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती से प्रदेश में प्रारम्भ कर दिनांक 25 दिसम्बर अटलजी की जयन्ती तक इस अभियान को जिले के प्रत्येक मंडल, ग्राम तक चलाएगी। नागर ने बताया कि भाजपा अभियान के पहले चरण के अन्तर्गत अक्टूबर माह में राजस्थान के सभी जिलों में तथा दूसरे चरण में नवम्बर, दिसम्बर में सभी

मंडलों में जागरूकता व सम्पर्क अभियान चलाएगी। इसमें संबंधित सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठनों तथा हितधारकों के साथ सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान व्यापारी सम्मेलन, उद्योग सम्मेलन, प्रभात फेरी, किसान मार्च, मशाल यात्रा, स्वदेशी आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें भारतीय उत्पादों के उपयोग मेला, नुक्कड़ नाटक और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा। नागर ने मीडिया के माध्यम से आमजन से आह्वान किया कि हम सभी स्वदेशी अपनाएं और विदेशी उत्पादों से दूरी बनाएं। उन्होंने कहा कि इस अभियान को हमें घर की रसोई से शुरू करना चाहिए, रसोई के उत्पादों में भारत निर्मित स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। अभियान में युवा एवं महिला संगठनों, सभी व्यावसायिक संस्थानों, लघु ऑधौगिक इकाईयों व स्वैच्छिक संगठनों की भागीदारी ली जायेगी और स्वदेशी व पर्यावरण अनुकूल वस्तुओं का ही प्रयोग किया जायेगा। इसी निम्मित विद्यालय व महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं से "मैं स्वदेशी अपनाउगा" संकल्प लिखवा कर" आत्मनिर्भर भारत संकल्प सिग्रेचर वाल" पर हस्ताक्षर करवाये जाएंगे तथा व्यापारी प्रकोष्ठ और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से स्वदेशी मेले आयोजित किए जाएंगे, जिसमें अधिक से अधिक व्यापारी व उधमियों के स्वदेशी उत्पाद की बिक्री की जाए। वहीं स्वदेशी मेलों में स्थानीय लोक कलाकारों और प्रभावशाली व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया जाएगा। स्थानीय शिल्पकार और आर्टिसन के कार्यस्थल पर जाकर उनकी कलाकारी और स्वदेशी उत्पादों का पार्टी द्वारा प्रचार-प्रसार किया जायेगा। पत्रकार वार्ता में भाजपा जिला उपाध्यक्ष निर्मल माथोडिया, जिला प्रवक्ता सचिन सनाढ्य, सहप्रवक्ता योगेश राजौरा, भाजपा नेता मुकेश केरवालिया, प्रशान्त विजयवर्गीय आदि उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी बारां ने समारोहपूर्वक मनाई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। 2 अक्टूबर 2025 को जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती सिविल लाइन स्थित कांग्रेस कार्यालय पर मनाई गई।कांग्रेस के वरिष्ठ कांग्रेस जनों का उनका पार्टी के प्रति समर्पित भावना त्याग पार्टी के प्रति सेवा उनके कार्य करने की क्षमता जिसके कारण कांग्रेस कार्यकर्ता आज मजबूत स्थिति में उनके मार्ग निर्देशानुसार कार्य कर रहे हैं उन वरिष्ठ कांग्रेसियों का स्वागत किया गया। जिनमें मे पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष रामजीलाल जोशी, प्रदेश सदस्य गोविंद गुप्ता, जिला कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष बृजराज सिंह राजावत खंडार कृषि मंडी के पूर्व अध्यक्ष बालमुकुंद गुर्जर जिला परिषद सदस्य पूर्व सरपंच धनपाल मीणा जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष प्रदीप टटवाल राधेश्याम मीणा के एम कवरिया रामजीलाल बैरवा जिला सचिव अब्दुल गफ़ूर पूर्व सभापति संतोष शर्मा,अली मोहम्मद मोहम्मद, रफीक पूर्व पार्षद एवं जिला कांग्रेस कमेटी की सचिव कमला वाल्मीकि जिला कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष एवं महिला कांग्रेस कमेटी की प्रदेश उपाध्यक्ष मंजू शर्मा जिला कांग्रेस

कमेटी के महासचिवसोनिका शर्मा पूर्व पार्षद प्रेम देवी बेरवा जन अभाव अभियोग के जिला अध्यक्ष कांजी फौजी ब्लॉक अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद मीणा पंडित राधेश्याम गौतम का माला पहनाकर दुपट्टा उड़ाकर स्वागत किया गया जयंती समारोह में यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सुबह सिंह सेमाडा जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष शिवचरण बैरवा जिला प्रवक्ता बीपी सिंह रजाना मीडिया प्रभारी अजय शर्मा जन अभाव अभियोग के प्रदेश महासचिव सुनील मीणा प्रदेश सचिव सुरेंद्र नाटाणी शंकर लाल मीणा जिला कांग्रेस कमेटी सचिव कुलदीप जैन बृजमोहन सिसोदिया विक्की रामजीलाल गुर्जर अनिल वर्मा जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव लक्ष्मी शर्मा सतीश श्रीवास्तव बंशीलाल मीणा सौभाग्य मल जैन दीनदयाल वर्मा राजेश कवरिया लक्ष्मीकांत मीणा कुदूस खान बाबूलाल बैरवा अशोक लोदवाल चेतन मीना जितेंद्र चौधरी आदि कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की तस्वीर पर पुष्प अर्जित कर वरिष्ठ कांग्रेस जनों का स्वागत किया गया इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष गिर्राज सिंह गुर्जर ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी महान महापुरुष थे जिन्होंने देश की आजादी हिंसा के मार्ग में नही चलकर अहिंसा के मार्ग मे चलकर दिलाई सत्याग्रह आंदोलन करके देश को आजाद कराया ऐसे महापुरुष को हम आज नमन करते हैं।

कांग्रेस का काम सिर्फ जनता में भ्रम फैलाना- रामलाल शर्मा

-सेवा पखवाड़े के अंतर्गत बांसा में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

चौमूँ (रॉयल पत्रिका) देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत भाजपा बांसा मंडल कार्यकर्ताओं द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने शिरकत की और रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया।रक्तदान शिविर में 53 यूनिट रक्तदान हुआ और समाज के प्रति अपना योगदान दिया। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस का काम सिर्फ जनता में भ्रम फैलाने का है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अभी वोट चोरी का आरोप लगा रही है, यदि वोटो की ही चोरी होती तो चौमूँ आमेर, शाहपुरा और फुलेरा में कांग्रेस की सीट कैसे आती। कांग्रेस जहाँ चुनाव जीतती है वहाँ अपनी कामयाबी बताती है और जहाँ चुनाव हारती हैं वहाँ ईवीएम पर या वोट चोरी करने का झूठा आरोप लगाती है। बांसा अध्यक्ष शंकर लाल गागोरिया ने कहा कि इस रक्तदान शिविर का उद्देश्य रक्तदान को बढ़ावा देना और समाज में जागरूकता फैलाना था। इस रक्तदान शिविर के आयोजन से समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और लोगों को इसके महत्व के बारे में पता चलेगा। इस अवसर पर सामोद थानाधिकारी हनुमान जी, फतेहपुरा सरपंच बाबूलाल गुर्जर, कुशलपुरा सरपंच प्रतिनिधि मांगीलाल शर्मा, पंचायत समिति सदस्य मुकेश शर्मा, पूर्व फल सब्जी मंडी अध्यक्ष दिनेश गोरा, शिविर के संयोजक बाबूलाल, श्याम शर्मा, पुखराज गुर्जर, श्रवण शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष गजानंद कुमावत, पूर्व मंडल अध्यक्ष रामावतार अग्रवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष श्रीराम शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष दिनेश चतुर्वेदी, भाजपा बांसा मंडल के महामंत्री जमन लाल सैनी, महेश योगी सहित मंडल पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, कार्यकर्ता व ग्रामवासी उपस्थित रहे।

भाजपा ने मनाई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती

-संगोष्ठी आयोजित कर दी पुष्पांजली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी सवाई माधोपुर के पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर के नेतृत्व एवं उपस्थिति मे आज जिला कार्यालय पर संगोष्ठी आयोजित कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई । जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि पार्टी पदाधिकारियो ने संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित कर दोनों महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की गई । जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने उपस्थित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और स्वदेशी के संदेश तथा लाल बहादुर शास्त्री के सादगी पूर्ण जीवन, सत्यनिष्ठा, उनके जय जवान, जय किसान के नारे को एवं उनके आदर्शो को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया, अन्य वक्ताओं ने भी कहा कि आज की पीढ़ी को उन

महापुरुषों के विचारों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा के कार्यों में अग्रसर रहना चाहिए । संगोष्ठी से पूर्व भाजपाइयों ने जवाहर नगर गुलाब बाग स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर साफ सफाई कर पुष्पांजलि अर्पित की और उसके बाद स्वदेशी वस्तुओं की खरीददारी कर लोकल फॉर वोकल का संदेश दिया । इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रेमप्रकाश शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. भरतलाल मथुरिया, सुरेश चंद जैन, पूर्व जिला प्रमुख पृथ्वीराज मीणा, जिला महामंत्री जगदीश अग्रवाल, बाबूलाल मीणा, जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण धाकड़, लालचंद गौतम, मीरा सैनी, जिला कोषाध्यक्ष दीनदयाल अग्रवाल, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अशोकराज मीणा,बजरिया मंडल अध्यक्ष रितेश भारद्वाज, शहर मंडल अध्यक्ष कपिल जैन, कुंडेरा मंडल अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, केशव शर्मा, पूर्व महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष संतोष मथुरिया, ओम सुवालका, कृष्णा गुप्ता, सावित्री शर्मा, हरिचरण सिंह, शुभम भारद्वाज अनिल बंसल आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

जिला कांग्रेस कमेटी बारां ने समारोहपूर्वक मनाई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती

बारां (रॉयल पत्रिका)। श्रीजी चौक स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय बारां पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ओर पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जन्म जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित कर मनाई गई। उक्त मौके पर मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस संघटन महासचिव कैलाश जैन ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहां की आज हम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 156वीं जयंती एवं भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की 121वीं जयंती हर्ष और श्रद्धा से मना रहे हैं। महात्मा गांधी जी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर देश को आजादी की ऐतिहासिक राह दिखाई। उनके विचार, त्याग और तपस्या न केवल हमारे लिए आदर्श हैं, बल्कि आज भी समाज को शांति, सद्भावना और समानता की ओर अग्रसर करते हैं। सेवा और करुणा के उनके संदेश आज भी उतने ही प्रासंगिक है। लाल बहादुर शास्त्री जी अपनी ईमानदारी, सादगी और निडर नेतृत्व के लिए याद किए जाते हैं। उनका दिया गया नारा

"जय जवान, जय किसान" आज भी देश के सैनिकों और किसानों को प्रेरित करता है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रशांत भारद्वाज ने अपने उद्बोधन में कार्यकर्ताओं को बताया कि आज के वर्तमान समय में हमे और राष्ट्र के सभी युवाओं को उनके जीवन से अदम्य साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा लेनी चाहिए। बापू ओर शास्त्री के विशाल जीवनी का एक हिस्सा भी हम अपने जीवन में उतार पाए तो ये बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। सेवादल जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव ने कहां की इस विशेष अवसर पर देशभर में विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रभात फेरियों, गोष्ठियों एवं सेवा-कल्याण के कार्यों का आयोजन किया जा रहा है। विद्यार्थी, शिक्षक, नागरिक और अधिकारीगण सभी महापुरुषों के आदर्शों को आत्मसात करने का प्रण लें, यही हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी के प्रति कोटिशः नमन। उक्त कार्यक्रम में खेमराज रहलाई, लव पारस, आशाराम बैरवा, पवन पांचाल, शरद शर्मा, पार्षद लीलाधर नागर, वीरेंद्र शांत, हेमलता सोन, सीताराम मेघवाल, विजय बैरवा, भरत मालवीय, ऋतिक शर्मा, लेखराज शर्मा, चंद्रमोहन नागर सहित दर्जनों कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी जयंती पर बापू को याद किया, पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

-जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधि रहे मौजूद

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर 02 अक्टूबर महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर गुरुवार को पुराने कलक्ट्रेट परिसर स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा पर जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल, एडीएम अर्पिता सोनी सहित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और बापू को याद कर उनके विचारों को आत्मसात किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि "महात्मा गांधी न केवल भारत की स्वतंत्रता के महानायक थे, बल्कि वे मानवता, नैतिकता, सत्य और अहिंसा के मूर्त स्वरूप थे। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर असाधारण व्यक्तित्व हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने यह सिखाया कि सत्य व अहिंसा जीवन जीने का एक तरीका है। सत्य और अहिंसा किसी भी संघर्ष का सबसे बड़ा हथियार हो सकते हैं। हमें गांधीजी के विचारों से जुड़कर समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांधीजी का दर्शन आज के सामाजिक— सांसारिक संदर्भों में अत्यंत प्रासंगिक है। जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल ने कहा कि गांधीजी का 'ग्राम स्वराज' का सपना आज भी हमारी पंचायती राज व्यवस्था की आत्मा है।उन्होंने ग्रामीण भारत को सशक्त करने का जो सपना देखा था, आज हमें उस दिशा में समर्पित प्रयास करने की आवश्यकता है। उनका खादी व स्वदेशी का विचार भारत को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाता है। इस अवसर पर उपस्थितों ने महात्मा गांधी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर बापू को याद किया। सर्वधर्म प्रार्थना सभा में रामधुनी और भजन गाकर महात्मा गांधी को याद किया। गायक प्रभुदयाल सैनी, लक्ष्मी शर्मा ने "वैष्णव जन तो तेने कहिए", "रघुपति राघव राजा राम" आदि गांधीजी के प्रिय भजनों की प्रस्तुति दी। इस दौरान एडीएम अर्पिता सोनी, डीईओ माध्यमिक संतोष महर्षि, एसजेईडी डीडी नगेन्द्र सिंह, चूरू नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह, भास्कर शर्मा, विमला गढ़वाल, सुरेश सारस्वत, दीनदयाल सैनी, मोहन गढ़वाल, सूर्यकांत चोटिया सहित अन्य मौजूद रहे।

महात्मा गाँधी और शास्त्री जी के सपनो का भारत

-उनके विचारों को मिटाना असम्भव -विनोद जैन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। 2 अक्टूबर महात्मा गाँधी जीवन दर्शन समिति सवाईमाधोपुर के तत्वधान मे एक संगोष्ठी का आयोजन समिति के कार्यालय अनाज मण्डी के सामने आलनपुर रोड पर किया गया,संगोष्ठी के मुख्य वक्ता जिला संयोजक विनोद जैन, दयाल फाउंडेशन की स्टेट कोर्डिनेटर खुशबु शर्मा, संतोष स्वामी व चंद्रकला सैनी रहे।महात्मा गाँधी जीवन दर्शन समिति के सह संयोजक व सेवादल जिलाध्यक्ष संतोष स्वामी ने बताया की मुख्य वक्ता विनोद जैन ने गाँधी दर्शन पर प्रकास डालते हुए कहा की आज के इस दौर मे गाँधी जी के व शास्त्री जी के आदर्शो व विचारों से ही देश मे शांति भाई चारा व उन्नति लाई जा सकती है, कई लोग गाँधी जी व शास्त्री जी के विचारों को नकार रहे है जबकि उन्हें भी पता है की ये गाँधी जी और शास्त्री जी के सपनो का भारत है उनके विचारो को नकारा जाना असंभव है, इसी प्रकार जिला सह संयोजक व सेवादल जिलाध्यक्ष संतोष स्वामी ने कहा की गाँधी जी की हत्या तो गोडसे जैसेअसामाजिक तत्व से करवा दी मगर अब ये गोडसे के वंशज व संघी मानसिकता के लोग गाँधी दर्शन व गाँधी वादी लोगो के विचारों की मसाल से परेशान है, और शास्त्री जी की सादगी व मिलनसारिता का पूरा विश्व कायल था, हम फौजी मस्ताने है, गाँधी के दीवाने है, पहले लड़े थे गोरो से, अब लड़ेंगे चोरो से, इन्ही नारों के साथ अपना वक्तव्य समाप्त किया, दयाल फाउंडेशन की स्टेट कोर्डिनेटर खुशबु शर्मा ने बताया की गाँधी जी के दर्शन को पढ़ना समझना आसान नही है गाँधी जी अपने आप मे एक यूनिवर्सिटी है और शास्त्री जी सरल व्यक्तित्व की मिसाल है संगोष्ठी मे रामअवतार मीणा, राजेंद्र गुर्जर,बृजमोहन सिसोदिया,विजय तालचिड़िया, देविशंकर बैरवा ,ललित अग्रवाल तूफान सिँह, गुरुवचन वाल्मिकी,सुरेन्द्र सैनी इक़बाल खान, बनवारी लाल बैरवा, बलवीर बैरवा लक्ष्मीकांत मीणा, शंकर लाल सैनी,सलीम मिर्जा सुनीता करणावत जाकिर शाह, शकुंतला वर्मा लड् लाल सैनी ऊषा झा जाहिद फारूखी, शिवराज सैनी राहुल स्वामी, कुद्स खान रजनीश जांगिड़ उमा गौत्तम, संतोष राव, बादाम देवी, शाहीन अंसारी, तब्बसुम, ज्योति शर्मा बुधराज मीणा सहित सवाईमाधोपुर गाँधी दर्शन समिति के गाँधी मित्र उपस्थित रहे, संगोष्ठी का संचालन अनुज कुमार गौत्तम ने किया।

राष्ट्रपिता व शास्त्री के आदर्शों को भूलाया नहीं जा सकता- सी.आर. चौधरी

नागौर (रॉयल पत्रिका)। महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री का व्यक्तित्व देश के लिए सर्वोपरि रहा। उनका जीवन संदेशमय है। यह बात गुरुवार को शहर के गांधी चौक में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते हुए किसान आयोग अध्यक्ष सीआर चौधरी ने कही। वे महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके आदर्शों को जीवन में उतारने की बात कही। इस दौरान उन्होंने कहा कि दोनों महापुरुषों का जीवन सादगी, ईमानदारी और जनहित के लिए बीता। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का जन्म बहुत ही सादगी वाले परिवार में हुआ, उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में काले गोरे के भेद को मिटाने के लिए वहीं से वकालत शुरू की। वो जहां रहते थे, वहां अब गांधी स्मारक भी बना हुआ है। उन्होंने अहिंसा के दम पर देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने उस समय ही चरखा चलाकर वोकल फॉर लोकल की नींव रख दी थी। वो हमेशा स्वदेशी अपनाने पर जोर देते थे। हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का स्वदेशी अपनाने सपना तभी पूरा होगा, जब हम प्रत्येक व्यक्ति स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने पर जोर देंगे। सीआर चौधरी ने लाल बहादुर शास्त्री को नमन करते हुए कहा कि वो सादगी के पुजारी थे, उन्होंने हमेशा सच्चाई और ईमानदारी का पाठ पढ़ाया। उनका जय जवान जय किसान का नारा भी देश के

लिए प्रेरणास्रोत है। इस दौरान उन्होंने इन महापुरुषों के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने पर बल दिया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जीवनी के बारे में बताया। इस दौरान उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी को अपने जीवन में अनेक यातनाओं का सामना करना पड़ा। वह हमेशा थर्ड क्लास की यात्रा करते रहते थे, उनका मकसद था कि कमजोर वर्ग की समस्या को समझा जा सके। वर्तमान में सभी कंफर्ट जोन में रहते हैं, इसलिए इस प्रकार की यात्राएं नहीं कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि गांधी जी हमेशा संदेश देते थे कि यदि सामने दुश्मन भी हो तो उनके प्रति उनमें दुर्भावना ना रखें, परिवार की तरह मिलकर काम करें। उन्होंने हमेशा अहिंसा का संदेश दिया। इसी प्रकार लाल बहादुर शास्त्री के आदर्शों को भी भुलाया नहीं जा सकता, वे भी सादगी व ईमानदारी के सच्चे सेवक थे, प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए भी उन्होंने हमेशा सादगी पूर्ण जीवन जीने का संदेश दिया। उनका योगदान भी देश के लिए सर्वोपरि रहा है। इस दौरान उन्होंने गांधी व शास्त्री के बताए मार्ग पर चलकर समाज और राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। इस दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ ज्योति मिर्धा, भाजपा जिला अध्यक्ष रामधन पोटलिया, खींवसर विधायक रेवतराम डांगा, नगर परिषद सभापति मीतू बोथरा, जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा, ओमप्रकाश सेन, खींवसर प्रधान प्रतिनिधि जगदीश बिडियासर सहित कई जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। गौरतलब है कि 2 अक्टूबर के अवसर पर महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। इस दौरान शहर के मुख्य बाजार गांधी चौक में जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों ने महात्मा गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद कलक्ट्रेट परिसर स्थित महात्मा गांधी की मूर्ति व लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर जिला कलक्टर, जिला परिषद सीईओ व प्रशासनिक अधिकारियों ने माल्यार्पण कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी। यहां पर गांधी जी के प्रिय भजनों का गायन किया गया। इसके बाद जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने सभी को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। संपूर्ण कार्यक्रम में मंच संचालन शरद कुमार जोशी ने किया।

महाराव शेखाजी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए- महाराज

- महाराव शेखाजी की 592 वी जयंती हुई आयोजित

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम सिंगोद स्थित जमुवाय माताजी के मंदिर में गुरुवार को वैचारिक क्रांति मंच सिंगोद के तत्वाधान में राजपूत समाज के लोगों के महाराव शेखाजी की 592 वीं जयंती मनाई गई समारोह में पंचमुखी हनुमान मंदिर सिंगोद महंत श्री श्री 1008 ओकारदास जी महाराज ने कहा कि युवाओं को महाराव शेखाजी के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए कार्यक्रम में जमुवाय माताजी मंदिर ट्रस्ट सिंगोद के अध्यक्ष हरि सिंह शेखावत ने कहा

कि आपसी समन्वय से ही राजपूत समाज के लोगों का विकास संभव है। इस अवसर पर कार्यक्रम के दौरान पंडित पवन शर्मा के सांनिध्य में विधि- विधान के साथ पूजा- अर्चना के साथ वैदिक मंत्रोचार के साथ राजपूत समाज के लोगों ने अस्त्र-शस्त्रों की पूजा - अर्चना की। इस अवसर पर कन्याओं को श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई।

स्वच्छता ही सेवा, एक संकल्प

बारां (रॉयल पत्रिका)। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छता अभियान की श्रृंखला में मांगरोल के पंचायत समिति परिसर में अमित भार्गव ने उपस्थित जन को हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके सम्पूर्ण स्वच्छता के लिए संकल्प कराया साथ ही अपने स्वयं के आवासीय क्षेत्र के साथ-साथ आस पड़ोस मोहल्ले शहर व ग्राम के लोगों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित करने को कहा एवं कचरा संग्रहण एवं उचित प्रबंधन यथा खुले में कचरा ना डालकर कचरा गाड़ी में कचरा डालना, गीले एवं सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन का उपयोग तथा प्लास्टिक एवं इससे बनी थैलियो के प्रयोग से परहेज करते हुए तथा स्वच्छता नियमों का पालन कर शहर एवं ग्राम को संपूर्ण स्वच्छता वास्तविकता में प्राप्त करने की बात कही। इस दौरान पीओ नईमुद्दीन, रामचरण मीणा, एसबीएम टीम के सदस्य मनोज नागर, प्रमोद मीणा, पंचायत समिति स्टाफ एवं नागरिक जन मौजूद रहे।

कांग्रेस द्वारा गांधी जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री

लाल बहादुर शास्त्री की जयंती कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने श्रद्वांजलि अर्पित कर मनाई। इस अवसर पर पीसीसी सचिव रियाजत खान ने कहा कि गांधी जयंती को अन्तराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। उन्होने कहा कि गांधी ने अंग्रेजी हुकूमत से भारत को आजाद कराने की लडाई का नेतृत्व किया था। अहिंसक विरोध का उनका सिखाया सबक आज भी पूरी दुनिया में सम्मान के साथ याद किया जाता है। सत्य, अहिंसा, शांति और समानता जैसे उनके विचारों को आज चुनौती दी जा रही है, लेकिन हम बापू द्वारा सिखाए गए मूल्यों का पालन करके इससे लड रहे है। इस अवसर पर निवर्तमान सभापति पायल सैनी ने कहा कि महात्मा गांधी के विचारों, सच्चाई और अहिंसा का अनुसरण करना चाहिए। हमे गांधीवादी मार्ग अपनाना चाहिए जो न केवल भारत बल्कि मानव जाति के उद्वार का एकमात्र मार्ग है। उन्होने कहा कि पूरे विश्व को सत्य, अहिंसा, शांति के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करने वाले और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रणेता राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचार और आदर्श आज भी हमारे लिए प्रासंगिक है। इस अवसर पर चूरू शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, किसान नेता आदूराम न्यौल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद हुसैन निर्बाण, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष अबरार खान ने भी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जीवनी पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया। इस दौरान नारायण बालाण, शिवकुमार शर्मा, अली मोहम्मद भाटी, शंकर चंदेलिया, अजीज दिलावरखानी, युनस खां जोजो, आबिद जाबासरिया, रामचन्द्र सुण्डा, किशनाराम बाबल, विनोद खटीक, संजय भाटी, दीपीका सोनी, आरिफ रिसालदार, विमल शर्मा, योगेश ढाका, आमीन खान, राधेश्याम बुंटिया, कृष्ण सुण्डा, सिराज जोईया, हाजी अब्बास काजी, महबुब खां, डूंगरसिंह उंटवालिया, एडवोकेट अनीस खां, हेमन्त सैनी, तारिख नागौरी, सहित कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजुद रहें।

पानी की हौज का इंदौरिया परिवार ने करवाया निर्माण

मोहम्मद अली पठान

रतनगढ़ (रॉयल पत्रिका)। विजयादशमी के पावन अवसर पर स्थानीय श्री गौड़ ब्राह्मण सेवा समिति चूरू रोड़ स्थित श्री परशुराम अतिथि भवन में स्वर्गीय पण्डित भगवानराम -भंवरी देवी एवं बसंत इंदौरिया की पुण्य स्मृति में उनके परिजनों बलदेव प्रसाद व ओमप्रकाश इंदौरिया निवासी गोरीसर द्वारा निर्मित हौज का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर किशन इंदौरिया, बलदेव इंदौरिया, ओम प्रकाश इंदौरिया, निरंजन ताम्रायत, श्रीचन्द आत्रेय, लीलाधर महर्षि, बिशन लाल धर्ड़, रामप्यारी देवी, वीरेंद्र आत्रेय, नवनीत इंदौरिया, अनुराधा ताम्रायत अनिरुद्ध मिश्रा मंचस्थ अतिथि थे। अतिथियों के स्वागत सत्कार के पश्चात बलदेव इंदौरिया एवं जयप्रकाश ताम्रायत द्वारा आशीर्वचन कहे गए।

तत्पश्चात जयप्रकाश ताम्रायत एवं सुरेन्द्र कुमार हारित द्वारा इंदौरिया परिवार को अभिनन्दन पत्र भेंट किया गया। जिसका वाचन सुशील कुमार इंदौरिया ने किया। श्री गौड़ ब्राह्मण युवक संघ द्वारा इंदौरिया परिवार को मोमेंटो भेट किया गया एवं युवक संघ अध्यक्ष धीरेन्द्र शर्मा ने इस पुनीत कार्य के लिए इंदौरिया परिवार का आभार व्यक्त किया तथा अल्पाहार के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर महिला मण्डल अध्यक्ष यशोदा शर्मा, भवानी शंकर सिंवाल भींचरी, ओमप्रकाश महर्षि पण्डितपुर पवन पचलंगिया, आनंदीलाल आत्रेय, वैद्य लीलाधर लाटा, हरिप्रसाद बुटोलिया, गोपाल बामोलिया, अरविंद घाघसान, अरविंद महर्षि, निलेश इंदौरिया, भानु प्रकाश इंदौरिया, मनोज धर्ड़, विष्णुदत धर्ड़, डॉ. ओम प्रकाश महर्षि, अनिल आत्रेय, हेमंत इंदौरिया, मनोज चौमाल, गजेन्द्र शर्मा, मनोहर चौमाल, सहित सैकड़ों समाज के गणमान्य सदस्य मौजूद थे कार्यक्रम का संचालन रवि प्रकाश बोगड़ ने किया।

भाजपा द्वारा गांधी जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थानीय सब्जीमंडी में स्थित पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर भाजपा कार्यकर्ताओ ने जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा के नेतृत्व में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्वांजलि दी। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता फतेहचन्द सोती, जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा, मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, धर्मेन्द्र राकसिया, जिला सोशल मीडिया सहसंयोजक सुरेश मिश्रा, जिला मिडिया संयोजक रवि दाधीच, आकाश सैनी, ओमसिंह शेखावत, कपिल चंदेल, गोपी शर्मा, रजत शर्मा, मुकेश सैनी, दाउद थीम, राजेन्द्र कल्ला, मुकेश ओझा सहित अनेक कार्यकर्ताओ ने सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत परिक्रमा स्थल पर स्वच्छता अभियान के तहत साफ सफाई की एवम् पुष्पअर्पित कर भारत माता की जय, जय जवान जय किसान, भारत मां का एक ही लाल के नारो से शास्त्री जी को श्रद्वांजलि अर्पित

की। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि आज देश दो महान व्यक्तित्वों को याद कर रहा है जिनका योगदान हमेशा हर भारत वासी के मन में रहेगा। उन्होने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने जहां अहिसा परमोधर्मः की परिकल्पना को साकार किया वही पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने जरूरत पड़ने पर शास्त्र एवम् शस्त्र दोनो की परिकल्पना को साकार किया। उन्होने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जीवन महात्मा गांधी के आदर्शो को मानने वाला था और इन आदर्शो एवम् संस्कारो की आज भी आवश्यकता है। इसी क्रम में आज जिला कलेक्ट्रेट में हुऐ कार्यक्रम में गांधी जयंती कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा, उपजिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल, मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, जिला मंत्री दीनदयाल सैनी, नेताप्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, भण्डार चेयरमेन मोहन गढ़वाल, अल्पसंख्यक मोर्चा के असगर अली जोईया, ने गांधीजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हे श्रद्वांजलि दी।

महात्मा गांधी ओर लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर सर्व धर्म प्रार्थना सभा आयोजित

कोटा (रॉयल पत्रिका) । दो अक्टुबर को महात्मा गांधी ओर लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती पर सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन एल.बी.एस. ऐजुकेशनल ग्रुप द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज के सभी प्रतिष्ठित व्यक्तियो को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान पेन्शनर्स मंच के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. अब्दुल मन्नान खान का भी सम्मान एल.बी.एस ग्रुप के डाइरेक्टर कुलदीप द्वारा किया गया। सभी मंचासीन प्रबुद्ध व्यक्तियो द्वारा मानवता व इन्सानियत पर अपने विचार रखे, डॉ. मन्नान खान ने अपने उदबोधन में कहा इन्सानियत को लोगो के लिबास व जातियो मे ना ढूंढे, मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है, हमे नफरतो को दूर करके मुहब्बत को गले लगाना चाहिए।

जिले में 2 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चलेगा सहकार सदस्यता अभियान

बून्दी (रॉयल पत्रिका)। सहकारिता विभाग द्वारा सहकारी क्षेत्र में अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर सहकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने, युवाओं/महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, सहकारी कानून की आमजन को जानकारी देने आदि के उद्देश्य से सहकार सदस्यता अभियान दिनांक 02 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2025 की अवधि में चलाया जाएगा। अभियान के अन्तर्गत जिले की सभी ग्राम पंचायतों में सहकार सदस्यता शिविर लगाए जायेंगे। उप रजिस्ट्रार मुकेश मोहन गर्ग ने बताया कि जिले की 4 ग्राम पंचायतों में ग्राम सेवा सहकारी समिति नही है, जिनमें नवीन समिति गठन हेतु कार्यवाही अभियान के अन्तर्गत की जायेगी।

जिले की 32 गोदामविहीन समितियों में भूमि चिन्हीकरण कर आवंटन की कार्यवाही अभियान के दौरान करवाई जावेगी। पीएम किसान योजना के तहत लम्बित आवेदनों की ई-केवाईसी एवं आधार सीडिंग का कार्य भी अभियान के दौरान करवाया जायेगा। सहकारिता के कानून के प्रावधानों की जानकारी जन साधारण को दी जायेगी।

युवाओं व महिलाओं को बनाया जायेगा सदस्य-

अभियान प्रभारी शिवराज मालव ने बताया कि सहकारिता में युवाओं व महिलाओं की भागेदारी बढ़ाने एवं सहकारी क्षेत्र की योजनाओं का लाभ पहुंचाने हेतु पैक्स, डेयरी एवं सहकारी समितियों में युवाओं व महिलाओं को सदस्य बनाया जायेगा। अभियान के दौरान जिले में 12000 से अधिक नये सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया हैं।

जिला कलक्टर ने करणपुर में किया स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत शिविर का निरीक्षण

-बीसीएमओ और शिविर प्रभारी को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। स्वस्थ भारत, विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से माननीय प्रधानमंत्री की ओर से शुरू किए गए स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत जिले में शिविरों का आयोजन जारी है। बुधवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने श्रीकरणपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान बीसीएमओ और शिविर प्रभारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित शिविर का निरीक्षण करने के दौरान जिला कलक्टर द्वारा आमजन से भी बातचीत की गई। उन्होंने शिविर में हो रही जांचों के बारे में जानकारी

लेते हुए वार्ड में भर्ती रोगियों से भी बात की। डॉ. चरणजीत सिंह और डॉ. नीरज अरोड़ा द्वारा जिला कलक्टर को शिविर में उपलब्ध करवाई जा रही स्वास्थ्य विभाग की सेवाओं की जानकारी दी गई। उसके पश्चात जिला कलक्टर द्वारा डॉ. चरणजीत सिंह और डॉ. नीरज अरोड़ा को उक्त शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने सहित अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि जिले में 17 सितंबर से शुरू हुए अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की ओर से नियमित रूप से शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान महिलाओं, किशोरियों एवं बच्चों को लाभान्वित किया जा रहा है।

जिला कलक्टर ने सेवा शिविरों की प्रगति की समीक्षा की

-अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण एवं प्रभावी मॉनिटरिंग के दिए निर्देश

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित हो रहे शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविरों की प्रगति की समीक्षा बुधवार को जिला कलक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित वीसी कक्ष में की गई। उन्होंने अधिकारियों से शिविरों में किए जा रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा उन्हें आवश्यक निर्देश प्रदान किए जिला कलक्टर ने कहा कि शिविरों में राज्य सरकार के निर्देशानुसार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समय पर पहुंचाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों में प्राप्त आवेदनों का निस्तारण समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाए तथा शेष रहने की स्थिति में फॉलो-अप शिविर आयोजित कर मामलों को शीघ्र निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि शहरी सेवा शिविरों में पट्टे जारी करने, नामांतरण, नगरीय विकास कर, सीवरेज कनेक्शन, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, पीएम स्वनिधि योजना, स्ट्रीट लाइट लगाने, भवन मानचित्र स्वीकृति तथा

ऑनलाइन आवेदनों के निस्तारण जैसे कार्य किए जा रहे हैं। इसी प्रकार ग्रामीण शिविरों में बीपीएल परिवारों का सर्वे, कुरेजात, आपसी सहमति से विभाजन, म्यूटेशन, किसान पंजीकरण, मूल निवास व जाति प्रमाण पत्र जारी करने जैसे ऑनलाइन सेवाएं, स्वामित्व योजना अंतर्गत पट्टे वितरण, सामुदायिक शौचालय निर्माण, मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना, ट्रांसफार्मर बदलने तथा ढीले तारों को दुरुस्त करने जैसे कार्य संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि लंबित आवेदनों का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाए और ऑनलाइन आवेदनों के प्रकरणों का भी समयबद्ध निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि शहरी शिविरों में पट्टे संबंधी मामलों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए वार्ड कार्मिक पहले से आपत्तियां दर्ज करवा लें और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी आवेदकों को उपलब्ध कराएं। साथ ही पेंशन सत्यापन और खाद्य सुरक्षा योजना के लाभ वितरण में भी तत्परता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने आमजन में जागरूकता के लिए आईईसी गतिविधियां आयोजित करने को कहा। उन्होंने कहा कि शिविरों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। इससे पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो सकेगा। साथ ही शिविरों में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

झुंझुनूं में बनेगा नया सखी वन स्टॉप सेंटर

43.90 लाख रुपए की राशि स्वीकृत महिला अधिकारिता विभाग के परिसर में बनेगा नया भवन

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। झुंझुनूं जिला मुख्यालय पर नवीन सखी वन स्टॉप सेंटर के निर्माण हेतु ₹43.90 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। गौरतलब है कि जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने इस संबंध में विशेष प्रयास किए थे। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक विप्लव न्यौला ने जानकारी दी कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर से प्राप्त निर्देशों तथा जिला कलेक्टर झुंझुनूं के पत्र के क्रम में यह स्वीकृति दी गई है। वर्तमान में बीडीके अस्पताल परिसर में संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर को हटाकर नया भवन क्रिटिकल केयर ब्लॉक की निर्माणाधीन परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित भूमि पर क्रिटिकल केयर ब्लॉक की बजट राशि में से ही 43.90 लाख रुपए

की राशि से बनाया जाएगा। इसके लिए निर्माण की कार्यकारी एजेंसी आरएसआरडीसी को निर्देश दिए गए हैं। न्यौला ने बताया कि महिला अधिकारिता विभाग के कार्यालय परिसर में उपलब्ध भूमि पर सखी वन स्टॉप सेंटर का नवीन भवन आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा। इसके निर्माण से महिलाओं को परामर्श, सहायता व संरक्षण संबंधी सेवाएं और अधिक सुदृढ़ रूप से उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने बताया कि सखी वन स्टॉप सेंटर महिलाओं को हिंसा, उत्पीड़न और संकट की स्थिति में त्वरित सहायता, चिकित्सकीय सुविधा, पुलिस सहायता, कानूनी परामर्श तथा अस्थायी आश्रय जैसी सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराता है।

पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थाभन विभाग मंत्री जोराराम कुमावत ने ली समीक्षा बैठक

-गौशाला संचालकों, पशुपालकों एवं पशुपालन विभाग के अधिकारियों की बैठक हुई सम्पुन्नी

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थापन विभाग मंत्री जोराराम कुमावत ने बुधवार को कलेक्ट्रेनट सभागार में गौशाला संचालकों, पशुपालकों एवं पशुपालन विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यथक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कुमावत ने बूंदी जिले में संचालित 6 अपात्र गौशालाओं की तहसीलवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि गौशाला संचालक निर्धारित मापदण्डोंल के अनुसार गोवंश की संख्यार बढाएं। साथ ही अन्यष मूलभूत व्य वस्था एं सुचारू करें, ताकि उन्हें भी राज्यन सरकार द्वारा अनुदान उपलब्ध। करवाया जा सकें। सड़कों पर निराश्रित गोवंशों को भी गोशाला में भर्ती करवाकर उनकी देखभाल की जाएं। उन्होंने जिले में संचालित

पात्र गौशालाओं के संचालकों को वर्तमान में संचालन संबंधी समस्यादओं पर विस्तृनत चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि चारागाह भूमि पर हो रहे अतिक्रमण हटाएं और मृत गोवंश के उठाव की समुचित व्यिवस्थात करें। उन्होंदने कहा कि घायल पशुओं के लिए एम्बुरलेंस की व्यंवस्था हों। गोशालाओं में पेयजल, छाया, चारा भण्डांरण, चार दीवारी की व्य वस्थास की जावें।उन्होंमने मोबाइल वेटरनिटी 1062 हेल्पालाइन, गोशाला विकास योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा दिए जा रहे अनुदान, मुख्यवमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत प्रत्ये।क पशुपालक के पशुओं की हानि होने पर मिलने वाली मुआवजा राशि, लंबी रोग की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में पशुपालकों को जानकारी दी। उन्हों ने कहा कि गाय की सेवा करना ही हम सबका लक्ष्ये हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय वरिष्ठजन दिवस पर किया शतायु मतदाताओं का जिला निर्वाचन अधिकारी ने सम्मान

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। अन्तर्राष्ट्रीय वरिष्ठजन दिवस-2025 पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने विधानसभा श्रीकरणपुर में शतायु मतदाताओं का शॉल ओढ़ाकर, फुट किट, प्रमाण पत्र एवं पौधा भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर गांव 48 एफ निवासी 102 वर्षीय लक्ष्मण सिंह पुत्र अमीर सिंह और वार्ड नम्बर 1 श्रीकरणपुर निवासी 101 वर्षीय गुरनाम कौर को सम्मानित किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर द्वारा शतायु मतदाताओं से बातचीत करते हुए देश की निर्वाचन प्रक्रिया में वरिष्ठजन के निरंतर योगदान पर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि आप जैसे उत्तयदायी ज्येष्ठ मतदाताओं के कारण ही हम लोकतंत्र के रूप में दुनिया में फल-फूल रहे हैं और आगे बढ़ रहे है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को सुदृढ़ करने और निर्वाचनों को सही मायनों में स्वतंत्र, समावेशी, सुगम और सहभागी बनाने के लिए हमारे निरंतर प्रगतिशील तंत्र के भी आप वरिष्ठजन साक्षी हैं। आप वरिष्ठजन ने बीते समय में विभिन्न चुनावों के दौरान अपना मतदान कर एक वोट के मूल्य का वास्तविक अर्थ सिद्ध किया है। उन्होंने राष्ट्र के प्रति लोकतांत्रिक कर्तव्य को पूरा करने के लिए वरिष्ठजन की शक्ति, सामर्थ्य और दृढ़ निश्चय का अभिनंदन भी किया। उक्त शतायु मतदाताओं ने बातचीत के दौरान अपने अनुभव सांझा किए। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा उक्त शतायु मतदाताओं से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेकर कुशलक्षेम जानी गई। लक्ष्मण सिंह ने प्रतिदिन सुबह जल्दी उठना, अपने खेत पैदल चलकर जाना, देशी भोजन करना एवं संयमित दिनचर्या को अपने शतायु एवं उत्तम स्वास्थ्य का कारण बताया।

झुंझुनूं में 9 अक्टूबर से लगेगा अमृता हाट

-राज्य के सभी जिलों के स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद मिलेंगे हाट में

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। महिला अधिकारिता विभाग एवं राजीविका, झुंझुनूं की ओर से आयोजित 'अमृता हाट – ए फैमिली फेयर ' का शुभारंभ 9 अक्टूबर 2025 से परमवीर पीरू सिंह स्कूल खेल मैदान, झुंझुनूं में होगा। इस दौरान प्रतिदिन विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। राज्य के सभी जिलों के स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद हाट में मिलेंगे। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक विप्लव न्यौला ने जानकारी दी कि मेले का शुभारंभ 9 अक्टूबर को भव्य कार्यक्रम के साथ किया जाएगा। 10 अक्टूबर को सुहागन शक्ति (करवा चौथ कार्यक्रम), 11 अक्टूबर को विराट कवि सम्मेलन, 12 अक्टूबर को अन्तर्महाविद्यालय नृत्य प्रतियोगिता तथा 13 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम आयोजित होगा। इसी क्रम में 14 अक्टूबर को अन्तर्विद्यालय नृत्य प्रतियोगिता, 15 अक्टूबर को सांस्कृतिक संध्या (धुन- द रायजिंग स्टार), 16 अक्टूबर को राजीविका महिला समूह नृत्य प्रस्तुतियां, 17 अक्टूबर को महिला स्वयं सहायता समूह सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रम का समापन 18 अक्टूबर को समापन समारोह के साथ किया जाएगा। न्यौला ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करना, स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहन देना और समाज में महिला सशक्तिकरण की भावना को मजबूत करना है।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लोहागल में 100 बेड के कामकाजी महिला छात्रावास का किया शिलान्यास

-6.18 करोड़ की लागत से बनेगा छात्रावास, सुरक्षित आवास की मिलेगी सुविधा

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि कामकाजी महिला छात्रावास का निर्माण केवल भवन निर्माण नहीं बल्कि नारी सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार महिलाओं को सुरक्षित वातावरण और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। इस छात्रावास के बन जाने से निजी एवं राजकीय क्षेत्र में कार्यरत महिलाएं शहर में कार्य करने के बाद निश्चित होकर सुरक्षित वातावरण में रह सकेंगी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा स्वीकृत 100 बेड के कामकाजी महिला छात्रावास निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस छात्रावास का निर्माण लोहागल क्षेत्र में 618 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। देवनानी ने कहा कि आज की महिला प्रत्येक क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही है और नौकरी के अवसर मिलने पर कई बार उन्हें दूसरे शहरों में रहना पड़ता है। ऐसी स्थिति में उनके लिए सुरक्षित आवास, भोजन, पुस्तकालय जैसी सुविधाओं की आवश्यकता होती है। महिला घर के संचालन के साथ-साथ आर्थिक सहयोग भी दे रही है और देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान कर रही है। इस अवसर पर उन्होंने नवरात्रि और नवमी के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है। इसके लिए छात्रावास का शिलान्यास भी इसी पावन अवसर पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संभागीय मुख्यालयों पर कामकाजी महिला छात्रावास बनाए जाएंगे। इसकी शुरुआत अजमेर से हो रही है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सिनेमा के बारे में मुझे उन्होंने ही सबकुछ सिखाया, संजय लीला भंसाली की तारीफ में बोले रणबीर

अभिनेता रणबीर कपूर ने साल 2007 में संजय लीला भंसाली की फिल्म सावरिया से डेब्यू किया था। अब वे भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए रणबीर कपूर करीब 18 साल बाद संजय लीला भंसाली के साथ काम कर रहे हैं। लाइव सैशन में की रणबीर ने फैंस से बात न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक रणबीर कपूर ने संजय लीला भंसाली की तारीफ करते हुए कहा कि अभिनय के बारे में वे जो कुछ भी जानते हैं, वह भंसाली ने ही उन्हें सिखाया है। दरअसल, रणबीर कपूर ने 28 सितंबर को अपने जन्मदिन के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ लाइव सैशन आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने अपने को-एक्टर्स और निर्देशक भंसाली के बारे में बात की।

अगले साल रिलीज होगी लव एंड वॉर

फिल्म लव एंड वॉर 20 मार्च, 2026 को रिलीज होगी। इसमें रणबीर के अलावा आलिया भट्ट और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। फिल्म लव एंड वॉर के निर्देशन की कमान संजय लीला भंसाली ने संभाली है। रणबीर ने कहा, इस फिल्म में मेरे दो पसंदीदा हैं। एक, विक्की कौशल। इसके अलावा मेरी सुपर टैलेंटिड वाइफ आलिया भट्ट।

भंसाली को बताया उस्ताद

रणबीर ने आगे कहा, इस फिल्म का निर्देशन वह शख्स कर रहे हैं, जिन्होंने मुझे सिनेमा के बारे में सबकुछ सिखाया। अभिनय के बारे में मैं जो कुछ भी जानता हूं, वह उन्हीं की देन है और उस समय वे एक उस्ताद थे। मैं उनके साथ 18 साल बाद काम कर रहा हूं। आज वे और भी बड़े उस्ताद हैं। इसलिए मैं इस सहयोग से बहुत खुश हूं। बता दें कि इस फिल्म में रणबीर पहली बार विक्की कौशल के साथ काम कर रहे हैं।

सनी संसारी की तुलसी कुमारी में सान्या मल्होत्रा का बोल्ड नया अवतार!

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा अपनी आगामी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में अपने नए बोल्ड अवतार से सोशल मीडिया पर धूम मचा रही हैं। अपनी बहुमुखी भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली, सान्या ने एक निडर और फ्रेश लुक लेकर आ रही है जो फिल्म के जीवंत और बेबाक मूड को पूरी तरह कॉम्प्लिमेंट करता है। यह नया अवतार पहले से ही ट्रेंड कर रहा है। फैंस उनके आत्मविश्वास, ग्लैमर और स्वैग की खूब तारीफ कर रहे हैं। चाहे वो उनका स्टाइलिश बीचवियर हो या कैमरे के सामने उनका बेबाक अंदाज़ – सान्या का यह नया लुक वाकई में विज़ुअल ट्रीट है। जिसने फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी को इस सीज़न की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बना दिया है। 'मिसेज़' में अपने गहराई से भरे अभिनय से दिल जीतने के बाद, सान्या इस समय अपने करियर के सबसे यादगार साल का आनंद ले रही हैं। उनकी अनोखी और सामाजिक व्यंग्य पर बनी फिल्म 'कटहल- अ जैकफ्रूट मिस्ट्री' को हाल ही में सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला है, जो यह साबित करता है कि सान्या न सिर्फ अलग और दमदार सिनेमा की पैरोकार हैं, बल्कि लगातार अपनी कला से दर्शकों को चौंका रही हैं। इस पोस्ट में सान्या एक शानदार नीली बिकिनी पहने नज़र आ रही है, और अभिनेत्री के प्रशंसक और फ़ॉलोअर्स उनके आत्मविश्वास से भरे बदलाव की चर्चा कर रहे हैं। वरुण धवन, जान्हवी कपूर और रोहित सराफ के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए, सान्या का नया सिज़लिंग लुक उनके अब तक के पिछले स्टाइल से बिल्कुल अलग बदलाव दिखाता है, जो उनके व्यक्तित्व का एक ग्लैमरस और बिंदास रूप दर्शाता है।

पब्लिसिटी में दम लगा रहे वरुण और जाह्नवी

फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' को हिट कराने के लिए वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ जमकर मेहनत कर रहे हैं। अब रोहित सराफ ने वरुण धवन, जाह्नवी कपूर और सान्या मल्होत्रा को टैग कर वीडियो पोस्ट की है, जिसमें पांचों स्टार्स लग्जरी कार की सवारी कर रहे हैं और कार में भी मस्ती करने का मौका नहीं गंवा रहे। वीडियो में सभी लोग अपने ही फिल्म के गाने बिजुरिया पर गजब के एक्सप्रेशन के साथ डांस कर रहे हैं लेकिन सारी लाइमलाइट मनीष पॉल लूट लेते हैं, क्योंकि वीडियो के आखिर में भी एक्टर कॉमेडी ही कर रहे हैं।

बीते रविवार से ही फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है

फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, लेकिन फिल्म के लिए फिल्मी गुरुवार मुश्किल रहेगा, क्योंकि इसी तारीख को ऋषभ शेट्टी अभिनीत कांतारा- चैप्टर 1 भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ये एक पैन इंडिया फिल्म है और कई भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म लगभग 125 करोड़ के बजट के साथ बनी है, जबकि 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का बजट लगभग 60 करोड़ है। अब देखना होगा कि पहले दिन कौन सी फिल्म दर्शकों का दिल जीतेगी और बड़ी कमाई करेगी। वर्क फंट की बात करें तो वरुण धवन और जान्हवी कपूर की ये साथ में दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों को बवाल में देखा गया था। फिल्म ने औसत कमाई की थी लेकिन ओटीटी पर फिल्म को अच्छा रिस्पांस मिला था।

फिल्म भागवत में जितेंद्र संग अरशद वारसी लगाएंगे तड़का

बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी अब एक बार फिर से नए अवतार में पर्दे पर दिखाई देंगे। पहले वह जॉली एलएलबी 2 में वकील और फिर बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड डॉन गफूर के किरदार में दिखाई दिए। और अब वह पुलिस के रोल में नजर आने वाले हैं। वह पंचायत के सचिव जी यानी जितेंद्र कुमार के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगे। दोनों एकसाथ पहली बार स्क्रीन पर दिखेंगे। उनकी मूवी भागवतका पहला पोस्टर शनिवार, 27 सितंबर को जारी किया गया। इस क्राइम-थ्रिलर मूवी का पोस्टर शेयर करते हुए जी5 ने सोशल मीडिया पर लिखा, और हमें लगा था कि 2025 के सारे ट्विस्ट खत्म हो गए हैं, लेकिन सबसे बड़ा ट्विस्ट आ गया है, भागवत आपके होश उड़ा देने आ रही है।

सच्ची घटना से प्रेरित है फिल्म भागवत

फिल्म भागवत सस्पेंस और जबरदस्त ड्रामा से भरपूर होगी। इसमें इंस्पेक्टर विश्वास भागवत (अरशद वारसी) की कहानी है, जो एक गुमशुदा महिला की तलाश के केस की जांच करता है। लेकिन यह जांच जल्द ही धोखे, रहस्यों और संभावित तस्करी के एक अंधेरे और पेचीदा जाल में उलझ जाती है। इस सीरीज में जितेंद्र कुमार एक प्रोफेसर के रोल में दिखाई देंगे। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी एक सच्ची घटना से प्रेरित है। जी5 की हिंदी बिजनेस हेड कावेरी दास ने इसके बारे में बात करते हुए कहा, भागवत एक रोमांचक थ्रिलर है, जो भावनात्मक गहराई और सस्पेंस का शानदार मिश्रण पेश करता है। अरशद वारसी ने अपने किरदार को बहुत बारीकी और गहराई से निभाया है। वहीं, जितेंद्र कुमार एक आकर्षक और अनूठे अंदाज में दर्शकों को चकित करते हैं। सबके साथ आने से यह सिनेमाई भव्यता, साहसिक कहानी और प्रभावशाली अभिनय का संगम बन गया है। अपनी अनोखी शैली और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ, भागवत इस साल की सबसे मनोरंजक और प्रभावी फिल्मों में से एक है।

ओटीटी पर आएगी फिल्म भागवत

इस फिल्म को अक्षय शेरे डायरेक्ट कर रहे हैं। इसका निर्माण जियो स्टूडियोज, बावेजा स्टूडियोज और डॉग एन बोन पिक्चर्स ने मिलकर किया है। यह फिल्म जल्द ही ज़ी5 पर रिलीज की जाएगी। इसकी रिलीज डेट अभी तय नहीं हुई है।

भागवत के प्रोड्यूसर हैं हरमन बावेजा

निर्माता हरमन बावेजा ने कहा, बावेजा स्टूडियोज में हमारा प्रयास हमेशा से ऐसी कहानियों पर आधारित रहा है जो साहसिक, प्रासंगिक और भावनात्मक रूप से ध्यान खींचती हों। भागवत इस कमिटमेंट का एक आदर्श उदाहरण है। यह सिर्फ एक थ्रिलर नहीं है- यह मानव स्वभाव के अंधकारमय हिस्से की एक यात्रा है, जहां प्रेम, छल और न्याय का टकराव होता है।

नवरात्रि खुद को खोजने का पर्व, देवी हमारी हर सांस में हैं

बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने नवरात्रि को खुद को खोजने का पर्व बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर माता की चौकी का एक वीडियो शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने बताया है कि नवरात्रि का पर्व उनके लिए क्या मायने रखता है।
तमन्ना भाटिया ने अपनी इस पोस्ट में लिखा, नवरात्रि केवल भक्ति की नौ रातें नहीं हैं, बल्कि यह खुद में लौटने, खुद को खोजने के नौ मौके भी हैं। हर शाम हमें याद दिलाती है कि देवी केवल मंदिरों या त्योहारों में ही नहीं, बल्कि हमारी हर सांस में हैं। उन्होंने आगे लिखा, दुर्गा हमें उन लड़ाइयों का सामना करने की हिम्मत देती हैं, जिनसे हम कतराते रहे हैं। लक्ष्मी हमें प्रचुरता को अपनाना सिखाती हैं-न सिर्फ धन की, बल्कि प्रेम, करुणा और अवसरों की भी। सरस्वती हमें सत्य बोलने और अनिश्चितता में बुद्धिमानी से निर्णय लेने की स्पष्टता देती हैं। काली उन भय, आदतों और पुरानी कथाओं को भस्म कर देती हैं, जो हमें सीमित रखती हैं। 'स्त्री-2' अभिनेत्री ने आगे लिखा, जब हम मां के प्रति समर्पित हो जाते हैं, तो हम जीवन से चमत्कार मिलने का इंतजार करना बंद कर देते हैं और उन्हें अपने कर्मों में ढूंढ़ने लगते हैं। बात यह नहीं है कि हम कितने अनुष्ठान करते हैं, बात यह है कि उन नौ रातों को चुपचाप हमारे खुद को देखने के तरीके को फिर से लिखने दें। इस नवरात्रि हर दीया न केवल उस देवी के लिए जलाएं जिसकी आप पूजा करते हैं, बल्कि उस देवी के लिए भी जो आप पहले से ही हैं। समर्पण करते रहें।
वर्क फ्रंट की बात करें तो तमन्ना भाटिया हाल ही में डायना पेंटी के साथ वेब सीरीज डू यू वाना पार्टनर में नजर आई थीं। इस सीरीज में जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह जैसे सितारे भी दिखाई दिए।

अक्षय कुमार का आमिर खान पर तंज!

ओटीटी के आने से फिल्मों की कमाई पर असर बड़ा है, पिछले काफी वक्त से यह एक बहस का मुद्दा बना हुआ है। अभिनेता आमिर खान का ऐसा मानना है कि थिएटर रिलीज के छह महीने बाद फिल्मों को ओटीटी पर आना चाहिए। उनका मानना है कि आजकल जो 2 महीने या आठ हफ्ते के बाद ही फिल्मों के ओटीटी पर आने से कमाई पर असर पड़ता है। अब अभिनेता अक्षय कुमार ने आमिर के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए आमिर की बात से असहमति जताई है। साथ ही अक्षय ने आमिर के बयान पर तंज भी कसा है।

तीन महीने का अंतराल ठीक है

एबीपी लाइव के साथ बातचीत के दौरान अक्षय ने इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से तीन महीने का फासला ठीक है। छह महीने बहुत लंबा समय है क्योंकि आखिरकार, ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म आपको डिजिटल अधिकारों के लिए भुगतान कर रहा है। उन्हें भी इस सौदे से लाभ मिलना चाहिए। इस पूरी व्यवस्था को महामारी से पहले की स्थिति में वापस जाना चाहिए, जब सिनेमाघर और ओटीटी प्लेटफॉर्म दोनों एक साथ मौजूद थे और अच्छे से साथ-साथ चलते थे।

डिजिटल राइट्स के समय निर्माता ओटीटी प्लेफॉर्म से पैसा ले लेते हैं

इस दौरान अक्षय ने दावा किया कि निर्माताओं, जिनमें वो भी शामिल हैं, को ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए। साथ ही अपनी फिल्मों के कंटेंट को लेकर भी सचेत रहना चाहिए। इसी दौरान आमिर के बयान पर इशारों-इशारों में ताना मारते हुए अक्षय ने कहा, 'जब डिजिटल राइट्स की बिक्री की बात आती है, तो निर्माता खुशी-खुशी ओटीटी प्लेटफॉर्म से पैसा ले लेते हैं। लेकिन जब हम चाहते हैं, तो हम आसानी से कह देते हैं कि हमारी फिल्में ओटीटी की वजह से नहीं चल रही हैं। हम यह नहीं सोचते कि शायद हम सही फिल्में नहीं बना रहे हैं।' हालांकि, अक्षय ने यहां आमिर या किसी का भी नाम नहीं लिया। लेकिन यह बयान आमिर के बयान पर प्रतिक्रिया जरूर मालूम पड़ता है।

मुझे फिल्में बनाने के अलावा कुछ नहीं आता

अक्षय ने यह भी स्वीकार किया कि वह अपनी फिल्मों के लिए प्रतिभाओं की तलाश में भी काफी ओटीटी कंटेंट देखते हैं। उनका मानना है कि ओटीटी के आने फिल्म इंडस्ट्री में सभी को फायदा हुआ है। अक्षय ने कहा कि मेरे पास फिल्में बनाने के अलावा कोई और काम नहीं है। चूंकि मैं पढ़ा-लिखा नहीं हूं, इसलिए मैं सिर्फ फिल्में ही बनाता हूं। इसलिए मुझे ओटीटी देखने के लिए काफी समय मिलता है।

ओटीटी पर जल्द फिल्मों के लाने के खिलाफ हैं आमिर

आमिर खान अक्सर ओटीटी को फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर न चलने की एक वजह मानते हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने कहा था कि जब लोगों को फिल्मों के रिलीज के कुछ ही वक्त बाद घर बैठे फिल्म देखने को मिल जाएगी, तो वो क्यों सिनेमाघरों में जाएंगे।
हालांकि, आमिर का ये भी कहना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ नहीं हैं। हाल ही में आमिर ने अपनी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को भी थिएटर्स के बाद किसी ओटीटी पर नहीं रिलीज किया। बल्कि उन्होंने यूट्यूब पर फिल्म को पे-पर-व्यू मॉडल के तहत लाया।

- साभार

ओलिंपियन दीपक पूनिया ने सगाई की

पिता के प्रॉपर्टी डीलर दोस्त की बेटी से हुआ रिश्ता

बहादुरगढ़ (एजेंसी) हरियाणा में झज्जर के रहने वाले अंतरराष्ट्रीय पहलवान और ओलिंपियन दीपक पूनिया जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। बहादुरगढ़ में उनकी शिवानी के साथ रिंग सेरेमनी हुई। शिवानी निलौठी गांव की रहने वाली हैं। फिलहाल वह संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी कर रही हैं। उनका सपना आईएएस अफसर बनने का है। शिवानी और दीपक के पिता अच्छे दोस्त हैं। दोनों परिवारों ने दोस्ती को आगे बढ़ाते हुए दोनों बच्चों का रिश्ता तय किया है। रविवार को हुए रिंग सेरेमनी प्रोग्राम में सिर्फ दोनों परिवार और करीबी ही शामिल हुए। दीपक के पिता का कहना है कि जल्द ही दोनों परिवारों की सहमति से शादी की तारीख तय की जाएगी।

रोहतक के जाट कॉलेज से एमए की

शिवानी के पिता अनूप प्रॉपर्टी डीलिंग के साथ खेती करते हैं। अनूप ने बताया कि मेरे 2 बच्चे हैं। शिवानी बड़ी बेटी है। छोटा बेटा 9वीं क्लास में पढ़ता है। मेरी पत्नी हाउस वाइफ हैं। शिवानी ने रोहतक के जाट कॉलेज से इंग्लिश में रू की है। इसके अलावा वह बीएड भी कर चुकी है।

वेस्टइंडीज ने तीसरे टी-20 में नेपाल को 10-विकेट से हराया

शारजाह (एजेंसी)। शारजाह में खेले गए आखिरी टी-20 मैच में वेस्टइंडीज ने नेपाल को 10 विकेट से हराया। इस जीत के साथ कैरिबियाई टीम ने नेपाल को क्लीन स्वीप करने से रोक दिया। नेपाल शुरुआती दो मुकाबले जीतकर सीरीज पहले ही अपने नाम कर चुका था। यह पहला मौका है जब वेस्टइंडीज ने किसी टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 10 विकेट से जीत दर्ज की। इससे पहले वह चार बार 9 विकेट से जीत चुका है। वहीं, नेपाल को पहली बार टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल की टीम 19.5 ओवर में 122 रन पर सिमट गई। वेस्टइंडीज ने बिना विकेट खोए 12.2 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया।

पावर प्ले में नेपाल ने एक विकेट पर 37 रन बनाए- नेपाल की शुरुआत धीमी रही। पावरप्ले में नेपाल ने 1 विकेट खोकर 37 रन बनाए। कुशल भुर्टेल ने सर्वाधिक 39 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके। वेस्टइंडीज की ओर से रेमन सिमंड्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 15 रन देकर 4 विकेट चटकाए।

चाइना ओपन में जैनिक सिनर का दबदबा कायम, दूसरी बार किया चाइना ओपन पर कब्जा

बीजिंग (एजेंसी)। इटली के जैनिक सिनर ने बुधवार को पुरुष एकल फाइनल में अमेरिकी युवा खिलाड़ी लर्नर टिएन को 6-2, 6-2 से हराकर दूसरी बार चाइना ओपन का खिताब अपने नाम किया। दुनिया के नंबर-2 और शीर्ष वरीयता प्राप्त सिनर ने सिर्फ 34 मिनट में पहला सेट जीत लिया और फिर दूसरे सेट में भी दबदबा बनाए रखा। 19 वर्षीय टिएन, जो अपने पहले एटीपी फाइनल में उतरे थे, शुरुआती चार गेम तक टक्कर देते रहे लेकिन सिनर ने पांचवें और सातवें गेम में उनकी सर्विस तोड़कर मैच पर कब्जा कर लिया। 24 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी ने 1 घंटे 12 मिनट में सीधी सेटों में जीत हासिल की। यह सिनर का लगातार तीसरा बीजिंग फाइनल था। 2023 में उन्होंने कार्लोस अल्काराज और दानिल मेदवेदेव को हराकर खिताब जीता था, जबकि पिछले साल वह उपविजेता रहे थे। दूसरी ओर, टिएन ने लोरेंजो मुसेट्टी और मेदवेदेव जैसे खिलाड़ियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया और उभरते सितारे के रूप में अपनी पहचान बनाई।

अभिषेक शर्मा ने रचा इतिहास

एशिया कप में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के साथ सर्वकालिक सर्वोच्च रेटिंग पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में एक नया सितारा उभरकर सामने आया है। अभिषेक शर्मा, भारत के बाएँ हाथ के सलामी बल्लेबाज, ने बुधवार को टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में सर्वकालिक सर्वोच्च रेटिंग (931 अंक) हासिल कर इतिहास रच दिया। इस रिकॉर्ड ने पिछले पांच साल से कायम इंग्लैंड के डेविड मलान के 919 अंकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

एशिया कप में धमाकेदार प्रदर्शन - एशिया कप 2025 में अभिषेक का प्रदर्शन यादगार रहा। श्रीलंका के खिलाफ अहम मैच में उन्होंने अर्धशतक बनाकर भारत को जीत दिलाई। इस टूर्नामेंट में उन्होंने कुल 314 रन बनाए और औसत 44.85 रही। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट का पुरस्कार भी मिला। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव और अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली की पिछली सर्वोच्च रेटिंग को भी अभिषेक ने पीछे छोड़ दिया। इस समय वह इंग्लैंड के फिल साल्ट से 82 अंक आगे हैं और बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं। टीम साथी तिलक वर्मा ने भी 213 रन बनाए, लेकिन शीर्ष स्थान पर अभिषेक की पकड़ शानदार रही।

युवा लेकिन अनुभवी अंदाज - हालांकि अभिषेक ने पिछले साल ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, लेकिन उनका क्रिकेट बुद्धिमानी और साहस पहले ही मैचों में दिख गया। उनकी बैटिंग शैली में संयम, आक्रामकता और मैच के दबाव को संभालने की क्षमता साफ़ झलकती है।

टी20 क्रिकेट में भारतीय भविष्य - अभिषेक शर्मा का यह रिकॉर्ड यह साबित करता है कि भारत की नई पीढ़ी के बल्लेबाज विश्व मंच पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। उनका प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए न केवल शानदार शुरुआत है, बल्कि टी20 क्रिकेट में भारतीय क्रिकेट की बढ़ती ताकत का भी प्रतीक है।

टी-20 रैंकिंग में अभिषेक शर्मा का वर्ल्ड रिकॉर्ड

● 14 साल के इतिहास में सबसे ज्यादा पॉइंट्स वाले बल्लेबाज, गेंदबाजी में वरुण नंबर-1

दुबई (एजेंसी)। टीम इंडिया के ओपनर अभिषेक शर्मा ने टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। अभिषेक टी-20 रैंकिंग के 14 साल के इतिहास में सबसे ज्यादा रेटिंग पॉइंट्स लाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के डेविड मलान के पांच साल से जारी रिकॉर्ड को तोड़ा है। आईसीसी ने टी-20 रैंकिंग की शुरुआत 2011 में की थी। एशिया कप में श्रीलंका के खिलाफ मैच के बाद अभिषेक के 931 रेटिंग पॉइंट्स हो गए थे। यह टी-20 क्रिकेट में किसी भी बल्लेबाज के रेटिंग पॉइंट्स का अब तक का सबसे बड़ा नंबर है। पिछला रिकॉर्ड मलान के नाम था। मलान ने 2020 में 919 पॉइंट्स हासिल किए थे। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच में अभिषेक 6 रन ही बना पाए थे। लिहाजा उनके पांच पॉइंट्स कम हुए। बुधवार को जारी रैंकिंग में वे 926 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं।

तिलक वर्मा तीसरे नंबर पर, टॉप-10 में तीन भारतीय- इस समय टॉप-10 टी-20 बल्लेबाजों में तीन भारतीय शामिल हैं। पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल में नाबाद 69 रन बनाने वाले तिलक वर्मा तीसरे नंबर पर हैं। उनके 819 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वहीं, कप्तान सूर्यकुमार यादव (698 पॉइंट्स) आठवें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के फिल साल्ट दूसरे और जोस बटलर चौथे स्थान पर हैं। एशिया कप में भारत के खिलाफ सेंचुरी जमाने वाले श्रीलंका के पथुम निशांका पांचवें नंबर पर हैं।

बॉलिंग में नंबर-1 वरुण टॉप-10 में इकलौते भारतीय

टी-20 गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के वरुण चक्रवर्ती 803 पॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं। वरुण टॉप-10 में इकलौते भारतीय गेंदबाज हैं। कुलदीप यादव 12वें और अक्षर पटेल 13वें स्थान पर हैं। जसप्रीत बुमराह 29वें नंबर पर हैं। बुमराह से ऊपर रवि बिश्नोई 16वें और अर्शदीप सिंह 23वें स्थान पर हैं।

हार्दिक को पीछे छोड़ सईम बने नंबर-1 ऑलराउंडर- पाकिस्तान के सईम अयूब भारतीय स्टार हार्दिक पंड्या को पीछे छोड़ टी-20 क्रिकेट में नंबर-1 ऑलराउंडर बन गए हैं। सईम के 241 रेटिंग पॉइंट्स हैं। हार्दिक के 233 पॉइंट्स हैं। अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी तीसरे और नेपाल के दीपेंद्र सिंह चौथे नंबर पर हैं। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा पांचवें स्थान पर हैं।

टीम रैंकिंग में भारत पहले से नंबर-1- टी-20 टीम रैंकिंग में भारत पहले से नंबर-1 पर मौजूद है। टीम इंडिया के 272 पॉइंट्स हैं। ऑस्ट्रेलिया (266 पॉइंट्स) दूसरे और इंग्लैंड (257 पॉइंट्स) तीसरे स्थान पर हैं। पाकिस्तान सातवें नंबर पर है। उसके 233 पॉइंट्स हैं। न्यूजीलैंड चौथे, साउथ अफ्रीका पांचवें और वेस्टइंडीज छठे नंबर पर है।

मिचेल मार्श की विस्फोटक बल्लेबाजी

पहले टी20 में ऑस्ट्रेलिया की न्यूजीलैंड पर शानदार जीत

माउंट मॉन्गानुई (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। कप्तान मिचेल मार्श (85) की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को पहले टी-20 मुकाबले में 21 गेंदें शेष रहते न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया ने 182 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 67 रन जोड़े। छठे ओवर में मैट हेनरी ने ट्रैविस हेड (18 गेंदों में 31 रन) को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। ऑस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट 12वें ओवर की पहली गेंद पर मैथ्यू शॉर्ट (18 गेंदों में 29 रन) के रूप में गिरा। उन्हें काइल जेमीसन ने पगबाधा आउट किया। 15वें ओवर में मैट हेनरी ने शतक की ओर बढ़ रहे मिचेल मार्श को टिम रॉबिंसन के हाथों कैच आउट करा दिया। मिचेल मार्श ने 43 गेंदों में पांच छक्के और नौ चौके लगाते हुए 85 रनों की पारी खेली। एलेक्स कैरी सात रन बनाकर आउट हुये। उन्हें जैकरी फॉक्स ने आउट किया।

कैथरीन डेब्रनर ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की 5000 मीटर टी54 और 800 मीटर टी53 स्पर्धाओं में पहले ही स्वर्ण पदक जीत चुकीं कैथरीन डेब्रनर ने बुधवार सुबह 3:16.81 मिनट के चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ 1500 मीटर टी54 का खिताब भी अपने नाम किया। इसी के साथ वह इस चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनीं। गत चैंपियन झोउ झाओकियान (चीन) 800 मीटर के बाद दूसरी बार दूसरे स्थान पर खिसक गईं। चीनी खिलाड़ी अगले कुछ दिनों में 100 मीटर और 400 मीटर स्प्रिंट में डेब्रनर को मात देने की उम्मीद कर रही होंगी, लेकिन डेब्रनर के पास पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में चार स्वर्ण पदक जीतने का अनुभव है और वह इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी। पुरुषों की शॉट पुट एफ36 स्पर्धा में व्लादिमीर स्विरिडोव (न्यूट्रल पैरा एथलीट) ने अपने अंतिम प्रयास में 17.01 मीटर का शानदार थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता। पिछली बार सकर्ल में प्रवेश करने पर, रूस में जन्मे इस एथलीट ने 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर गत चैंपियन यासीन गुएनिची (ट्यूनीशिया) से बढ़त हासिल की थी, लेकिन आखिरी प्रयास में गुएनिची उनसे आगे निकल गए। गुएनिची पहले दो राउंड के बाद 16.57 मीटर और 16.74 मीटर के थ्रो के साथ आठ एथलीटों के समूह में सबसे आगे थे, लेकिन पाँचवें राउंड में स्विरिडोव के आगे निकलने के बाद, ट्यूनीशियाई एथलीट ने अपने छठे प्रयास में 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर काउंटबैक में बढ़त बना ली और रूस में जन्मे दो बार के पैरालंपिक खेलों के चैंपियन पर अपनी पहली जीत दर्ज की।

वैभव सूर्यवंशी का धमाकेदार प्रदर्शन जारी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाया चौथा सबसे तेज शतक

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारत के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सुर्खियां बटोरीं। 14 साल की उम्र में ही वह रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रहे हैं। इयान हीली ओवल में खेले जा रहे यूथ टेस्ट में सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ सिर्फ 78 गेंदों पर शतक ठोकते हुए इतिहास का चौथा सबसे तेज यूथ टेस्ट शतक जड़ दिया।

वनडे में भी बरपाया तूफान - सिर्फ टेस्ट ही नहीं, सूर्यवंशी ने हाल ही में वनडे में भी तहलका मचाया है। पिछले हफ्ते ब्रिस्बेन में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 68 गेंदों पर 70 रन बनाते हुए यूथ वनडे क्रिकेट में सबसे ज़्यादा करियर छक्कों का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने पूर्व भारतीय अंडर-19 कप्तान उन्मुक्त चंद का 38 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा और मात्र 10 पारियों में 41 छक्कों तक पहुंच गए।

- **सबसे तेज यूथ वनडे शतक का भी रिकॉर्ड** - इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ चौथे यूथ वनडे में सूर्यवंशी ने 78 गेंदों पर 143 रन बनाए। उस पारी में उन्होंने केवल 52 गेंदों पर शतक जड़ा, जिससे वह अंडर-19 वनडे में सबसे तेज़ शतकवीर और सबसे कम उम्र के शतकवीर बन गए।
- **आईपीएल में भी दिखा चुके हैं जलवा** - वैभव सूर्यवंशी सिर्फ अंडर-19 स्तर तक ही सीमित नहीं हैं। 14 साल और 23 दिन की उम्र में उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल डेब्यू किया और सबको चौंका दिया।
- **ब्रेंडन मैकुलम के बाद अनोखा कारनामा** - वैभव सूर्यवंशी अब इतिहास के केवल दूसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने अंडर-19 टेस्ट क्रिकेट में 100 से कम गेंदों पर दो शतक लगाए हैं। उनसे पहले यह कारनामा न्यूज़ीलैंड के दिग्गज ब्रेंडन मैकुलम ने किया था। सूर्यवंशी ने पिछले साल चेन्नई में भी ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ 58 गेंदों में शतक लगाया था, जो मोईन अली के बाद दूसरा सबसे तेज यूथ टेस्ट शतक माना जाता है।
- **धमाकेदार पारी, ताबड़तोड़ स्ट्रोक्स** - बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने बुधवार को 86 गेंदों में आठ छक्के और नौ चौकों की मदद से 113 रन बनाए। हालांकि, हेडन शिलर ने उन्हें आउट कर दिया, लेकिन तब तक वह मैच के नायक बन चुके थे। भारतीय पारी में वेदांत त्रिवेदी ने भी गजब का योगदान दिया। उन्होंने 192 गेंदों पर 140 रन बनाकर पारी को मजबूती दी।

तमीम इकबाल ने बीसीबी चुनावों से वापस लिया नामांकन

ढाका (एजेंसी)। बंगलादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने छह अक्टूबर को होने वाले बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनाव से अपनी बुधवार को उम्मीदवारी वापस ले ली है। बाए हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने आज औपचारिक रूप से अपना नामांकन पत्र वापस लेने के लिए बीसीबी मुख्यालय का दौरा किया। उन्होंने बाद में संवाददाता सम्मेलन में कहा, आप जानते हैं कि आज हमने अपना नामांकन वापस ले लिया है। मुझे मिलाकर हममें से लगभग 14-15 लोगों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। इस वापसी का कारण सभी को पता है मुझे नहीं लगता कि आपको कोई विवरण या स्पष्टीकरण देने की आवश्यकता है। तमीम ने शुरुआत में बीसीबी चुनाव में निदेशक पद के लिए चुनाव लड़ने में रुचि दिखाई थी, लेकिन आखिरी समय में उन्होंने अपना मन बदल लिया। नामांकन दाखिल करने के बाद, उन्होंने खुले तौर पर इस प्रक्रिया में सरकारी हस्तक्षेप का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मैं शुरू से ही एक बात कहता रहा हूं और अब आप सभी इस बारे में स्पष्ट हैं... यह चुनाव किस दिशा में जा रहा है या इसे कैसे संचालित किया जा रहा है। जो भी किसी भी समय सही लगता है, जो भी वे करना चाहते हैं, किया जा रहा है।

वांगचुक की पत्नी का सवाल– क्या भारत वाकई आज़ाद है?

-लेह हिंसा पर मजिस्ट्रेट जांच, इंटरनेट नौवें दिन भी बंद

लेह(एजेंसी)। लद्दाख में चल रहे हालात और सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में बहस तेज़ हो गई है। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोला और पूछा कि "क्या भारत सच में आज़ाद है?" उनका यह सवाल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर डाले गए एक पोस्ट से सामने आया, जिसने देशभर में चर्चा को हवा दी। गीतांजलि ने लद्दाख की मौजूदा स्थिति की तुलना ब्रिटिश राज से करते हुए कहा कि जैसे अंग्रेज़ों ने भारतीयों को उनके ही सैनिकों के ज़रिए दबाया था, वैसे ही आज गृह मंत्रालय लद्दाख की पुलिस का इस्तेमाल स्थानीय लोगों पर अत्याचार करने के लिए कर रहा है। उन्होंने 1857 की क्रांति का ज़िक्र करते हुए लिखा कि उस समय 24,000 अंग्रेज़ों ने महारानी के आदेश पर 135,000 भारतीय सिपाहियों का सहारा लेकर 30 करोड़ भारतीयों को दबाया था। ठीक उसी तरह, आज एक दर्जन प्रशासक गृह मंत्रालय के आदेश पर 2400 लद्दाख़ी पुलिस बल का इस्तेमाल करके 3 लाख लद्दाख़ियों पर अत्याचार कर रहे हैं।

वांगचुक की गिरफ्तारी और प्रदर्शन

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा प्रदान करने की मांग को लेकर बीते दिनों लेह में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। 24 सितंबर को हुए आंदोलन ने हिंसक रूप ले लिया जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद हालात बिगड़ने पर लद्दाख प्रशासन ने धारा 144 लागू की और इंटरनेट सेवाएं बंद कर दीं। प्रदर्शनों के बीच प्रमुख पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को 26 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) के तहत आरोप लगाए गए और उन्हें जोधपुर सेंट्रल जेल भेज दिया गया। एनएसए जैसे कठोर क़ानून का इस्तेमाल होने से लद्दाख़ के लोगों में नाराज़गी और बढ़ गई है।

प्रशासन की कार्रवाई

लद्दाख प्रशासन ने 24 सितंबर की हिंसा की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। इस जांच को चार हफ़्तों में पूरा करने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि हिंसा की असली वजह और जिम्मेदार लोगों की पहचान जरूरी है ताकि भविष्य में ऐसे हालात न बनें। वहीं, हिंसा के बाद गिरफ्तार किए गए 50 लोगों में से 26 को अंतरिम ज़मानत मिल चुकी है, जबकि बाक़ी अभी भी जेल में बंद हैं।

इंटरनेट बंद और लोगों की मुश्किलें

लेह और आस-पास के इलाकों में लगातार नौवें दिन भी मोबाइल इंटरनेट बंद है। इससे स्थानीय लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। छात्र, व्यापारी और आम लोग जानकारी और संचार के अभाव में परेशान हैं। कई लोग प्रशासन पर आरोप लगा रहे हैं कि वह आवाज़ दबाने और लोगों की एकजुटता को तोड़ने के लिए इंटरनेट बंदी का सहारा ले रहा है।

सवाल और चिंताएं

गीतांजलि अंगमो के सवाल ने मौजूदा हालात को और गंभीर बना दिया है। उनका कहना है कि आज़ादी के 77 साल बाद भी अगर सरकार अपनी ही जनता पर पुलिस और प्रशासन के ज़रिए दबाव बनाए तो इसे स्वतंत्रता कैसे कहा जा सकता है। लद्दाख के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांगें, जैसे राज्य का दर्जा और संवैधानिक सुरक्षा, अभी तक पूरी नहीं हुई हैं।

इस पूरे घटनाक्रम ने केंद्र सरकार की नीति और लद्दाख प्रशासन की भूमिका पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक तरफ सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दे रही है, तो दूसरी ओर स्थानीय लोग इसे अपने लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला मान रहे हैं। आने वाले हफ़्तों में मजिस्ट्रेट जांच की रिपोर्ट और वांगचुक की कानूनी लड़ाई, दोनों ही लद्दाख के भविष्य की दिशा तय करने में अहम साबित होंगी।

RSS प्रमुख मोहन भागवत बोले –

निर्भरता मजबूरी न बने, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता पर ज़ोर

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को नागपुर में विजयादशमी के मौके पर संगठन के शताब्दी समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले का ज़िक्र करते हुए कहा कि इस घटना ने साफ कर दिया कि हमारे असली दोस्त और दुश्मन कौन हैं। भागवत ने स्पष्ट कहा कि आतंकियों ने इस हमले में धर्म पूछकर हिंदुओं की हत्या की थी। इसके जवाब में हमारी सेना और सरकार ने सख्ती दिखाई। यह घटना हमें सिखाती है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में समझ और संतुलन रखना जितना ज़रूरी है, उतना ही अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क और मज़बूत बने रहना भी आवश्यक है। भागवत ने कहा कि भारत की नीति हमेशा से सभी देशों से दोस्ती और सहयोग की रही है, लेकिन यह दोस्ती हमारी सुरक्षा और स्वाभिमान की कीमत पर नहीं हो सकती। हमें ताकतवर बनना ही होगा ताकि किसी भी परिस्थिति का सामना किया जा सके। उन्होंने आगाह किया कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हालात तेजी से बदल रहे हैं। पड़ोसी देशों की अस्थिरता, पश्चिम एशिया की उथल-पुथल और अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ जैसे कदम भारत की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए चुनौती बन सकते हैं। अपने 41 मिनट लंबे भाषण में उन्होंने समाज और सरकार दोनों से जुड़े कई मुद्दों पर विचार रखे।

उन्होंने कहा कि समाज में तेज़ी से बदलाव हो रहे हैं। लोग अधिक जागरूक और संवेदनशील हो रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही बेचैनी और असंतोष भी बढ़ रहा है। ऐसे समय में ज़रूरी है कि समाज में परस्पर सहयोग, भाईचारा और एकजुटता मज़बूत हो। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हम तकनीक, व्यापार और सुरक्षा के मामलों में केवल दूसरे देशों पर निर्भर हो जाएंगे तो यह हमारी मजबूरी बन जाएगी। भारत को आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ना होगा। आज देश की प्रगति और सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन, विज्ञान और तकनीक में नवाचार तथा आर्थिक मज़बूती ही हमें वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ खड़ा कर सकती है। भागवत ने अपने संबोधन में RSS की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संघ समाज के हर वर्ग के साथ जुड़कर राष्ट्र निर्माण का कार्य कर रहा है।

राजनाथ सिंह का पाकिस्तान को चेतावनी:

सर क्रीक में हिमाकत की तो इतिहास और भूगोल बदल जाएगा

कच्छ (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दशहरा के मौके पर गुजरात के कच्छ जिले के भुज स्थित मिलिट्री बेस से पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने सैनिकों को संबोधित करते हुए साफ कहा कि भारत की सीमा और संप्रभुता के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रक्षा मंत्री ने सर क्रीक इलाके में पाकिस्तान द्वारा बढ़ाए जा रहे मिलिट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर को उसकी खोटी नीयत का सबूत बताया। राजनाथ सिंह ने कहा कि आजादी के 78 साल बाद भी सर क्रीक क्षेत्र सीमा विवाद की वजह से संवेदनशील बना हुआ है। भारत ने कई बार बातचीत के जरिए इस मुद्दे को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने की कोशिश की, लेकिन पाकिस्तान हर बार अपनी नीयत से पीछे हट गया। उन्होंने कहा, "पाकिस्तान की नीयत साफ नहीं है। वह सीमा विवाद को जिंदा रखकर अपनी साजिशों को आगे बढ़ाना चाहता है।" रक्षा मंत्री ने हाल के घटनाक्रम का जिक्र करते हुए बताया कि पाकिस्तान ने सर क्रीक से सटे इलाकों में मिलिट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ाना शुरू किया है, जो इस बात का संकेत है कि वह किसी नए दुस्साहस की तैयारी कर रहा है। राजनाथ सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पाकिस्तान

ने सर क्रीक क्षेत्र में कोई हिमाकत करने की कोशिश की, तो उसे ऐसा करारा जवाब मिलेगा कि न केवल उसका इतिहास बल्कि उसका भूगोल भी बदल जाएगा। उन्होंने सैनिकों को संबोधित करते हुए दशहरा के अवसर पर शस्त्र पूजा भी की और कहा कि भारतीय सेना की वीरता, साहस और शौर्य के आगे दुनिया की कोई भी ताकत टिक नहीं सकती। उन्होंने यह भी कहा कि हमारी सरकार और सेना हर चुनौती का मुकाबला करने में सक्षम है। सर क्रीक का विवाद भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से चला आ रहा है। गुजरात और सिंध प्रांत के बीच फैला यह इलाका सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां अरब सागर से लगी सीमा होने के कारण न केवल सुरक्षा, बल्कि आर्थिक और समुद्री संसाधनों पर भी असर पड़ता है। पाकिस्तान की हर हरकत पर भारत की नजर है और अब सरकार ने साफ संदेश दे दिया है कि देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। राजनाथ सिंह के इस बयान से स्पष्ट हो गया है कि भारत की नीति अब अधिक सहनशीलता की नहीं बल्कि दृढ़ता की है। पाकिस्तान को समझ लेना चाहिए कि भारत शांति चाहता है, लेकिन यदि उसकी शांति को कमजोरी समझा गया तो उसका अंजाम बेहद गंभीर होगा। इस तरह दशहरा पर रक्षा मंत्री का संदेश न केवल सैनिकों का उत्साह बढ़ाने वाला था, बल्कि पाकिस्तान को भी यह याद दिलाने वाला था कि भारत की संप्रभुता और सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ करने की कीमत उसे बहुत भारी चुकानी पड़ेगी।

अमेरिका ने कतर की सुरक्षा पर दिया बड़ा आश्वासन

-ट्रम्प ने इज़राइल से माफ़ी भी करवाई

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को कतर की सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि

यदि कतर पर किसी भी तरह का हमला होता है, तो अमेरिका इसे सीधे तौर पर अपनी शांति और सुरक्षा के लिए खतरा मानकर कतर की रक्षा करेगा। इस आदेश में यह भी जोड़ा गया है कि ऐसी स्थिति में अमेरिका सभी संभव उपाय अपनाने के लिए तैयार रहेगा, चाहे वे राजनयिक हों, आर्थिक या सैन्य। यह कदम इज़राइल द्वारा 9 सितंबर को कतर की राजधानी दोहा में हमास आतंकियों को निशाना बनाने वाले हमले के बाद आया। इस हमले में छह लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद कतर की सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ गया, और अमेरिकी प्रशासन पर भी इस मामले में कदम उठाने का दबाव था। इसके बाद ट्रम्प ने 29 सितंबर को इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी के प्रति माफी मांगने के लिए कहा। नेतन्याहू उस समय व्हाइट हाउस में ट्रम्प से मिलने आए थे। अगले दिन व्हाइट हाउस ने इस मुलाकात और माफी से जुड़ी तस्वीरें भी जारी कीं, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि अमेरिका कतर की सुरक्षा को गंभीरता से ले रहा है और क्षेत्रीय तनाव को कम करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस कार्यकारी आदेश और नेतन्याहू से माफी करवाने के कदम से यह संदेश भी गया कि अमेरिका खाड़ी क्षेत्र में अपनी मित्रता और सुरक्षा साझेदारी को मजबूत करना चाहता है। साथ ही, यह कतर और अमेरिका के बीच एक मजबूत सुरक्षा गठबंधन का संकेत भी माना जा रहा है।

छत्तीसगढ़-बिहार में बिजली गिरने से 7 की मौत

यूपी-एमपी में भी जनहानि

नई दिल्ली। देश में मानसून सीजन आधिकारिक तौर पर 30 सितंबर को समाप्त हो चुका है, लेकिन कई राज्यों में बारिश का दौर अभी भी थमने का नाम नहीं ले रहा। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले चार दिनों तक देश के कई हिस्सों में तेज बारिश, आंधी और बिजली गिरने की संभावना बनी रहेगी।

छत्तीसगढ़ और बिहार में सबसे ज्यादा जनहानि

छत्तीसगढ़ में बुधवार को भारी बारिश और बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने अगले 3 दिनों के लिए 28 जिलों में तेज बारिश और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी कर दिया है। बिहार में बक्सर और नवादा जिलों में बुधवार को बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई। राज्य के 35 जिलों में आज भी भारी बारिश और आंधी-तूफान का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि 7 अक्टूबर तक बिहार में लगातार बारिश होती रहेगी।

यूपी और एमपी में भी हताहत

उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में बारिश और बिजली गिरने से 100 साल पुराना शिव मंदिर ढह गया। इसके अलावा एक किसान की वज्रपात से मौत हो गई। प्रदेश के 36 जिलों में भारी बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी है। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में भी एक व्यक्ति की मौत वज्रपात से हो गई।

अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नए सिस्टम

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से अगले 96 घंटों में बड़ी मौसमी हलचल देखने को मिल सकती है। इस दौरान 3 नए मौसम तंत्र (सिस्टम) सक्रिय हो सकते हैं। इनके चलते उत्तर से दक्षिण और पहाड़ों से लेकर मैदानों तक के राज्यों में मौसम अचानक बदल जाएगा।

इन राज्यों पर ज्यादा असर

मौसम विभाग ने जिन 13 राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया है उनमें आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं। यहां अगले चार दिन तेज हवाएं चल सकती हैं, घने बादल छा सकते हैं और भारी बारिश के साथ बिजली गिरने का खतरा भी बना रहेगा।

सतर्क रहने की अपील

विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि बिजली कड़कने या आंधी-तूफान के समय पेड़ों और बिजली के खंभों के नीचे खड़े न हों। किसानों को खेतों में काम करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

सरकार ने संबंधित जिला प्रशासन को राहत-बचाव दलों को तैयार रखने और प्रभावित इलाकों में चौकसी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

संभल में बुलडोजर एक्शन: मस्जिद और मैरिज हॉल पर कार्रवाई

-ओवैसी ने जताई नाराज़गी

संभल। संभल ज़िले के राया बुजुर्ग गांव में गुरुवार सुबह दशहरे के दिन प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। यहां एक मैरिज हॉल और उसके बगल में बनी मस्जिद को अवैध निर्माण बताते हुए गिराने की प्रक्रिया शुरू की गई। जिला प्रशासन का कहना है कि दोनों निर्माण तालाब की जमीन पर किए गए थे, इसलिए इन्हें हटाना ज़रूरी है। इस दौरान भारी पुलिस बल और पीएसी की तैनाती की गई तथा पूरे इलाके को छावनी में बदल दिया गया।

प्रशासन की कार्रवाई

प्रशासन के अनुसार, करीब 30,000 वर्ग फीट में फैला मैरिज हॉल और 550 वर्ग फीट में बनी मस्जिद तालाब की ज़मीन पर कब्ज़ा करके बनाए गए थे। पहले चरण में मैरिज हॉल को बुलडोजर से गिराया गया। इसके बाद मस्जिद को भी ध्वस्त किया जाना था। इस दौरान जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया और पुलिस अधीक्षक केके बिश्नोई मौके पर मौजूद रहे। कार्रवाई की गंभीरता को देखते हुए 200 पुलिसकर्मी और पीएसी जवान तैनात किए गए। साथ ही, ड्रोन से भी निगरानी रखी गई ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति को रोका जा सके।

स्थानीय लोगों की अपील और प्रतिक्रिया

जब बुलडोजर मस्जिद की तरफ बढ़ा तो स्थानीय लोग आगे आए और प्रशासन से चार दिन का समय मांगा। उन्होंने कहा कि वे स्वयं ही मस्जिद को ढहा देंगे। जिलाधिकारी से अनुमति मिलते ही ग्रामीणों ने खुद ही मस्जिद तोड़ने का काम शुरू कर दिया। इससे यह साफ हो गया कि स्थिति को टकराव से बचाने के लिए प्रशासन और लोगों के बीच बातचीत का रास्ता निकाला गया।

ओवैसी की प्रतिक्रिया

इसी बीच, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने इस कार्रवाई पर नाराज़गी जताई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा कि यह बुलडोजर से जुल्म किया जा रहा है और सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस का पालन नहीं किया जा रहा। ओवैसी का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई कानून और न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है।

कानूनी और सामाजिक पहलू

बुलडोजर कार्रवाई को लेकर लगातार यह सवाल उठता रहा है कि क्या प्रशासन इस तरह की कार्रवाइयों में कानूनी प्रक्रिया का पूरा पालन करता है या नहीं। सुप्रीम कोर्ट पहले भी कह चुका है कि किसी भी अवैध निर्माण को गिराने से पहले उचित नोटिस और समय दिया जाना चाहिए। हालांकि, संभल प्रशासन का दावा है कि इस मामले में पहले से ही नोटिस जारी किए गए थे और यह ज़मीन सरकारी रिकॉर्ड में तालाब की ज़मीन दर्ज है।

संभल की यह घटना फिर से देशभर में बुलडोजर राजनीति पर बहस को तेज़ कर देगी। एक तरफ प्रशासन का कहना है कि सरकारी ज़मीन पर अवैध कब्ज़ा किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, वहीं दूसरी ओर इसे धार्मिक भावनाओं और समुदाय विशेष से जोड़कर देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों का स्वयं मस्जिद तोड़ने का कदम यह दिखाता है कि टकराव की स्थिति टालने की कोशिश हुई।

ट्रम्प परेशान-

अमेरिकी किसानों का सोयाबीन नहीं बिक रहा

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एक बार फिर अमेरिकी किसानों की मुश्किलों को लेकर सामने आए हैं। दरअसल, चीन ने अमेरिका से सोयाबीन की

खरीद लगभग रोक दी है, जिससे अमेरिकी किसान भारी संकट में आ गए हैं। सोयाबीन अमेरिकी किसानों की सबसे बड़ी फसल और आय का अहम जरिया है। लेकिन चीन के साथ जारी व्यापार तनाव ने इस सेक्टर को गहरी चोट पहुंचाई है। ट्रम्प ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अमेरिकी किसानों का सोयाबीन इसलिए नहीं बिक पा रहा है क्योंकि चीन जानबूझकर खरीद रोक रहा है। उनका दावा है कि बीजिंग केवल बातचीत के दबाव के लिए यह कदम उठा रहा है। उन्होंने साफ कहा कि यह स्थिति लंबे समय तक नहीं चल सकती और वे जल्द ही इसका हल निकालेंगे। ट्रम्प ने बताया कि वे अगले एक महीने के भीतर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करने जा रहे हैं। इस मुलाकात में सबसे बड़ा एजेंडा सोयाबीन व्यापार ही रहेगा। ट्रम्प का कहना है कि चीन के रवैये से अमेरिकी किसानों को अरबों डॉलर का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता किसानों को राहत देना है और वे टैरिफ से मिलने वाले पैसे को किसानों की मदद में खर्च करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका और चीन के बीच चल रही यह तनातनी केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे राजनीतिक और रणनीतिक पहलू भी जुड़े हैं। सोयाबीन की खरीद रोककर चीन ने अमेरिका के सबसे बड़े कृषि क्षेत्र को सीधा निशाना बनाया है। ऐसे में ट्रम्प के लिए किसानों को राहत देना चुनावी और राजनीतिक दोनों दृष्टि से अहम हो गया है।

इज़राइल ने गाजा राहत फ्लीट रोका:

ग्रेटा थनबर्ग समेत 150 कार्यकर्ता हिरासत में

तल अवीव (एजेंसी)। इज़राइल ने बुधवार रात गाजा में राहत सामग्री पहुँचाने जा रहे 13 जहाजों को रोक दिया। ये जहाज सुमुद फ्लोटिला का हिस्सा थे,

जिसमें कुल 47 जहाज शामिल थे। यह बेड़ा इज़राइल की नाकाबंदी को तोड़कर गाजा में आवश्यक सहायता पहुंचाने का प्रयास कर रहा था। इस अभियान का उद्देश्य वहाँ फंसे लोगों तक खाद्य सामग्री, दवा और अन्य राहत सामग्री पहुँचाना था। इस छापेमारी में इज़राइल ने 37 देशों के 150 से अधिक कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। इनमें स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता और विश्व प्रसिद्ध किशोरी ग्रेटा थनबर्ग भी शामिल थीं। इज़राइल के अधिकारियों ने कहा कि सभी जहाज सुरक्षित रूप से रोके गए हैं और यात्रियों को इज़राइली बंदरगाह पर भेजा जा रहा है। मंत्रालय ने यह भी पुष्टि की कि ग्रेटा थनबर्ग और उनके साथी सुरक्षित और स्वस्थ हैं। इज़राइल का कहना है कि यह कार्रवाई गाजा पर सुरक्षा कारणों से की गई है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इस घटना पर चिंता व्यक्त की है और राहत सामग्री पहुँचाने के प्रयासों में किसी भी तरह की बाधा न डालने की अपील की है। इस मामले में मानवाधिकार संगठनों ने भी प्रतिक्रिया दी है और उन्हें उम्मीद है कि हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं को जल्द ही मुक्त किया जाएगा। इस घटना ने वैश्विक ध्यान फिर से गाजा की नाजुक स्थिति की ओर खींचा गया है। पिछले कई वर्षों से गाजा में नाकाबंदी और संघर्ष के कारण लोगों को जीवनयापन के लिए मूलभूत आवश्यकताएँ भी मुश्किल से मिल पा रही हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय राहत संगठनों और कार्यकर्ताओं की कोशिशें इस संकट को कम करने में महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। हालांकि इस छापेमारी के बावजूद, सुमुद फ्लोटिला के अन्य 30 जहाज राहत सामग्री के साथ अभी भी गाजा की ओर बढ़ रहे हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मो. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,